

बी.ए. आनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार
(B.A. Honours in Hindi Journalism & Mass Communication)

Category I

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 1: (जनसंचार माध्यम)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
जनसंचार माध्यम	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- जनमाध्यमों की वृहद जानकारी प्रदान करना।
- जनमाध्यमों के द्वारा भारतीय ज्ञान-परम्परा का प्रसार करना।
- समाज पर प्रिंट- इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के प्रभाव का अध्ययन।
- जनमाध्यमों की कार्यशैली का परिचय कराना।

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- जनमाध्यमों की तकनीक एवं प्रक्रिया संबंधी समझ विकसित होगी।
- छात्रों के संचार कौशल में वृद्धि होगी।
- सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक कार्यो द्वारा रोजगारपरक संभावनाएँ बढेंगी।
- भारतीय ज्ञान परम्परा की समझ से छात्रों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होगा।

SYLLABUS OF DSC-1

UNIT – I संचार और जनसंचार

(12.5 hours)

- संचार- अर्थ परिभाषा, महत्व, संचार के प्रकार

- जनसंचार - अर्थ, स्वरूप, विशेषताएँ, संचार और जनसंचार का अंतर
- संचार की प्रक्रिया एवं प्रतिपुष्टि

UNIT – II जनमाध्यम

(12.5 hours)

- जनमाध्यम- अर्थ, परिभाषा और महत्व
- जनमाध्यमों के कार्य, प्रभाव और अपेक्षाएँ
- सामाजिक परिवर्तन और जनमाध्यम

UNIT – III मुद्रित माध्यम

(12.5 hours)

- मुद्रित माध्यम - सामान्य परिचय, समाचार पत्र और पत्रिकाओं का स्वरूप
- समाचार संकलन, प्रस्तुति एवं रिपोर्ट-लेखन
- मुद्रित माध्यमों का संगठन एवं स्वामित्व

UNIT – IV इलेक्ट्रॉनिक माध्यम

(12.5 hours)

- इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के विविध रूप - रेडियो, टेलीविजन, सिनेमा, इन्टरनेट आधारित मीडिया
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली - रेडियो, टेलीविजन, सिनेमा, इन्टरनेट आधारित मीडिया
- समाज और संस्कृति के विकास में इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की भूमिका

Practical component (25 hours)

- किसी विषय/ क्षेत्र से जुड़ी पत्रिका की सामग्री का अध्ययन।
- रेडियो के किसी कार्यक्रम के प्रभाव का अध्ययन।
- टेलीविजन के किसी एक कार्यक्रम का समीक्षात्मक विश्लेषण।
- ई-पत्र-पत्रिका अथवा न्यूज़ पोर्टल की सामग्री का अध्ययन।
- टेलीविजन के किसी एक कार्यक्रम का सामाजिक - सांस्कृतिक प्रभाव की दृष्टि से अध्ययन।

Essential/recommended readings

1. इंटरनेट पत्रकारिता, सुरेश कुमार, तक्षशिला प्रकाशन

2. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम, डॉ. संजीव भानावत, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन जयपुर
3. संचार सिद्धांत की रूपरेखा, डॉ. प्रेमचंद पातंजलि, के. एल. पचौरी प्रकाशन
4. पत्रकारिता के विविध रूप, रामचंद्र तिवारी, आलेख प्रकाशन
5. समाचार अवधारणा और लेखन प्रक्रिया, सुभाष धूलिया, आनंद प्रधान, भारतीय जनसंचार संस्थान प्रकाशन
6. दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी, डी. डी. ओझा, ज्ञानगंगा प्रकाशन
7. संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र, रेमंड विलियम्स, ग्रंथ शिल्पी प्रकाशन
8. टेलीविजन की कहानी, श्याम कश्यप और मुकेश कुमार, वाणी प्रकाशन

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 2: हिंदी पत्रकारिता का इतिहास

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
हिंदी पत्रकारिता का इतिहास	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- हिंदी पत्रकारिता की ऐतिहासिक भूमिका के प्रति समझ विकसित करना।
- स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी पत्र-पत्रिकाओं के योगदान से अवगत कराना।
- हिंदी पत्रकारिता के विभिन्न कालखंडों के मूल्यों से परिचित कराना।
- भारतीय बोध के विकास में हिंदी पत्रकारिता के महत्त्व की जानकारी देना।
- भारतीय स्वतंत्रता सेनानी पत्रकारों, साहित्यकारों और संपादकों के अवदान से परिचित कराना।

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- हिंदी पत्रकारिता के इतिहास एवं विकास के प्रति समझ विकसित होगी।
- आज़ादी की लड़ाई में हिंदी पत्रकारिता के महत्त्व से परिचित होंगे।
- स्वतंत्रता पूर्व एवं पश्चात की पत्रकारिता में आए मूल्य परिवर्तन से अवगत होंगे।
- हिंदी पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से भारतीय बोध का ज्ञान होगा।

SYLLABUS OF DSC- 2

UNIT – I स्वतंत्रता पूर्व हिंदी पत्रकारिता (12.5 hours)

- स्वतंत्रता पूर्व की भारतीय पत्रकारिता का सामान्य परिचय
- स्वतंत्रता संग्राम और हिंदी पत्र-पत्रिकाओं की भूमिका एवं सामाजिक प्रभाव
- स्वतंत्रता पूर्व हिंदी पत्रकारिता की चुनौतियां

UNIT – II स्वतंत्रता पश्चात हिंदी पत्रकारिता (12.5 hours)

- स्वतंत्रता पश्चात हिंदी पत्रकारिता का विकास एवं स्वामित्व
- आजादी के बाद जनतंत्र व विकास की चुनौतियां
- आपातकाल : प्रेस और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के सवाल

UNIT – III आपातकाल के बाद की हिंदी पत्रकारिता। (12.5 hours)

- राजनैतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन और हिंदी पत्र-पत्रिकाएं
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की हिंदी पत्रकारिता
- हिंदी पत्रकारिता की समाचार सामग्री

UNIT – IV भूमंडलीकरण के बाद की हिंदी पत्रकारिता (12.5 hours)

- भूमंडलीकरण और हिंदी पत्रकारिता - हिंदी पत्रकारिता के समक्ष चुनौतियां एवं ज्वलंत मुद्दे
- हिंदी पत्रकारिता का व्यवसायीकरण - विज्ञापन और पत्रकारिता का संबंध, पेड न्यूज़, ब्रेकिंग न्यूज़, इन्फोटेनमेंट
- डिजिटलीकरण, ऑनलाइन हिंदी पत्रकारिता का स्वरूप

Practical component (25 hours)

- स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी पत्रकारिता की भूमिका पर रिपोर्ट, फीचर, लेख तैयार करना।

- पत्रकारों, स्वतंत्रता सेनानियों और संपादकों पर रिपोर्ट, लेख, फीचर लेखन।
- स्वतंत्रता सेनानी पत्रकार, संपादकों पर ब्लॉग लेखन, यूट्यूब वीडियो, पॉडकास्ट, वृत्तचित्र तैयार करना।
- प्रेस के संदर्भ में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और आपातकाल पर परियोजना कार्य।

Essential/recommended readings

1. हिंदी पत्रकारिता : विविध आयाम, डॉक्टर वेद प्रताप वैदिक, हिंदी बुक सेंटर
2. हिंदी पत्रिका का इतिहास, जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन
3. भारत में प्रेस, जी. एस. भार्गव, नेशनल बुक ट्रस्ट
4. भारत की समाचारपत्र क्रांति, रॉबिन जेफरी, भारतीय जनसंचार संस्थान
5. मीडिया और बाजारवाद, रामशरण जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन
6. अम्बेडकर, गांधी और हिंदी दलित पत्रिका, अनामिका प्रकाशन, श्यौराज सिंह बेचैन
7. हिंदी पत्रकारिता और भूमंडलीकरण, विजेंद्र कुमार, नटराज प्रकाशन
8. पत्रकारिता के नए परिप्रेक्ष्य, राजकिशोर, वाणी प्रकाशन
9. भारतीय पत्रकारिता का इतिहास, जे. नटराजन, प्रकाशन विभाग
10. भारत में जनसंचार, केवल जे. कुमार, जैको पब्लिकेशन हाउस
11. भारत में प्रेस, जी. सी. भार्गव, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 3: भारतीय समाज और संचार

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
भारतीय समाज और संचार	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- भारतीय समाज एवं संस्कृति की समझ विकसित करना।
- भारत की दर्शन, धर्म की विरासत से परिचित कराना
- भारतीय साहित्य एवं कला से अवगत कराना।
- भारतीय भाषाओं और भारतीय जनमानस के अंतरसंबंधों की पड़ताल करना।

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- भारत की सामाजिक आर्थिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि की समझ विकसित होगी।
- छात्रों में भारतीय समाज की संरचना और मूल्य व्यवस्था के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण निर्मित होगा।
- भारतीय धर्म, दर्शन और कलाओं की विरासत से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी भारत के भाषिक वैविध्य के ज्ञान एवं सौंदर्य से अभिभूत होंगे।

SYLLABUS OF DSC-3

UNIT – I भारतीय समाज

(12.5 hours)

- भारतीय समाज का स्वरूप
- भारतीय समाज की मूल्य-व्यवस्था- पारिवारिक, सामाजिक, राष्ट्रीय और मानवीय
- भारतीय समाज की चुनौतियां और संभावनाएं

UNIT – II भारतीय धर्म, दर्शन और संस्कृति

(12.5 hours)

- भारतीय संस्कृति की प्रमुख विशेषताएं
- प्रमुख धर्म : सामान्य परिचय
- प्रमुख भारतीय दर्शन

UNIT – III भाषा, साहित्य और कलाएँ

(12.5 hours)

- प्रमुख भारतीय भाषाओं का संक्षिप्त परिचय
- महाभारत और रामचरित मानस का सामान्य परिचय
- प्रमुख कलाएँ : वास्तुकला, मूर्तिकला, चित्रकला, संगीत

UNIT – IV संचार की भारतीय परंपरा

(12.5 hours)

- लोकगीत, लोककथा

- लोकनृत्य, लोकनाट्य
- पारंपरिक भारतीय जनसंचार (पर्व, मेले, नुक्कड़ नाटक, कठपुतली आदि)

Practical component (25 hours)

भारतीय धर्म और दर्शन से सम्बंधित महत्वपूर्ण ग्रंथों पर रिपोर्ट लेखन

1. किसी सांस्कृतिक कार्यक्रम की रिपोर्टिंग
2. किसी लोकनाट्य को देखना और उसका समीक्षात्मक लेखन
3. भारतीय समाज की किसी समस्या पर समाधानपरक मौलिक लेख लिखना
4. चयनित विषयों पर समूह चर्चा और परियोजना कार्य
5. प्रमुख कालजयी रचनाओं की प्रासंगिकता पर लेखन/समूह चर्चा
6. लोकनाट्य के रूप में रामलीला और रासलीला का जनसमाज पर पड़ने वाले प्रभाव का सर्वेक्षण एवं लेखन

Essential/recommended readings

1. संस्कृति के चार अध्याय, रामधारी सिंह दिनकर, साहित्य अकादमी
2. भारतबोध का नया समय, प्रो. संजय द्विवेदी, यश प्रकाशन, दिल्ली
3. भारतीय कला एवं संस्कृति, वासुदेव शरण अग्रवाल, प्रभात प्रकाशन
4. लोक साहित्य की भूमिका, कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद
5. मानवमूल्य और साहित्य, धर्मवीर भारती, भारतीय ज्ञानपीठ
6. संचार और विकास, श्यामाचरण दुबे, प्रकाशन विभाग, सूचना व प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार
7. बुद्धिस्ट कम्युनिकेशन थ्योरी - एनसाइक्लोपीडिया ऑफ कम्युनिकेशन थ्योरी, सेज पब्लिकेशन
8. को-कल्चरल थ्योरी - एनसाइक्लोपीडिया ऑफ कम्युनिकेशन थ्योरी, सेज पब्लिकेशन

**COMMON POOL OF GENERIC ELECTIVES (GE) COURSES OFFERED BY THE
DEPARTMENT for HJMC Course**

Category - IV

GENERIC ELECTIVES (GE-1) संस्कृति, साहित्य और मीडिया

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Cr edi ts	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre- requisite of the course	Department offering the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
संस्कृति, साहित्य और मीडिया	4	3		1			

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- भारतीय संस्कृति, साहित्य और मीडिया की आपसी समझ विकसित करना।
- भूमंडलीकरण के पश्चात मीडिया में आए बदलावों की समीक्षा करना।
- राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्दों संबंधी मीडिया कवरेज का अध्ययन करना।
- विभिन्न भारतीय परिवेश, कल्चर, सत्ता एवं राजनीति की समझ पैदा करना।

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- भारतीय पत्रकारिता के परिवेश की समझ विकसित होगी।
- समाज के विभिन्न पहलुओं से अवगत होंगे।
- राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विचारों के प्रति समझ विकसित होगी।
- भारतीय संस्कृति, साहित्य और मीडिया के अंतरसंबंधों की समझ विकसित होगी।

SYLLABUS OF GE-1

UNIT – I संस्कृति अर्थ व अवधारणा**(12.5 hours)**

- संस्कृति की अवधारणा, सभ्यता और संस्कृति
- लोक संस्कृति, पॉपुलर कल्चर, संस्कृति और सत्ता, संस्कृति और राजनीति
- संस्कृति और हाशिये का समाज, इन्टरनेट और सूचना संस्कृति

UNIT – II प्रिंट मीडिया और साहित्य**(12.5 hours)**

- हिन्दी साहित्य और पत्रकारिता का अन्तर्संबंध
- हिंदी पत्र-पत्रिकाओं में साहित्य की स्थिति
- हिन्दी के प्रमुख साहित्यिक पत्रकारों का परिचय

UNIT – III हिन्दी मीडिया और संस्कृति**(12.5 hours)**

- मीडिया और संस्कृति के अन्तर्संबंध
- मीडिया का बाजार और संस्कृति
- विज्ञापन का सांस्कृतिक वर्चस्व और भाषायी संकट

UNIT – IV इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और साहित्य**(12.5 hours)**

- रेडियो और टेलीविज़न के साहित्य आधारित कार्यक्रम
- साहित्यिक कृतियों का सिनेमाई रूपान्तरण
- साहित्यिक ई-पत्रिकाएँ एवं साहित्यिक वेबसाइट्स

Practical component (25 hours)

- लोक संस्कृति की जानकारी के लिए किसी एक गाँव का सर्वे के आधार पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना
- साहित्य आधारित किन्हीं दो फिल्मों का अध्ययन व उनकी समीक्षा
- साहित्य आधारित किसी टेलीविज़न धारावाहिक की समीक्षा
- हिन्दी के प्रमुख साहित्यिक पत्रकारों की सूची व उनके अवदान पर एक परियोजना कार्य
- फिल्म पूरब-पश्चिम, मदर इंडिया, परदेश, मशाल, पेज-श्री, फिर भी दिल है हिन्दुस्तानी आदि का समीक्षात्मक विश्लेषण

Essential/recommended readings

1. संस्कृति के चार अध्याय, रामधारी सिंह दिनकर, लोक भारती प्रकाशन
2. मानव और संस्कृति, श्यामाचरण दुबे, राजकमल प्रकाशन
3. हिंदी सिनेमा आदि से अनंत, प्रहलाद अग्रवाल, साहित्य भंडारी
4. हिंदी साहित्य और सिनेमा, विवेक दुबे, संजय प्रकाशन
5. सिनेमा और संस्कृति, राही मासूम रजा, वाणी प्रकाशन
6. मीडिया में सामाजिक लोकतंत्र की तलाश, श्यौराज सिंह बेचैन, अनामिका प्रकाशन
7. संस्कृति, जनसंचार और बाज़ार, नन्द भारद्वाज, सामयिक प्रकाशन

GENERIC ELECTIVES (GE-2) फोटो पत्रकारिता

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department offering the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
फोटो पत्रकारिता	4	3		1			

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- फोटो पत्रकारिता की समझ विकसित करना।
- व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक ज्ञान देना।
- फोटोग्राफी के रचनात्मक पहलुओं का ज्ञान कराना।
- विभिन्न जनसंचार माध्यमों में फोटो के उपयोग एवं महत्व से अवगत कराना।

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- फ़ोटो पत्रकारिता का व्यावहारिक ज्ञान विकसित होगा।
- छात्रों में रोज़गार उन्मुख कौशल विकसित होगा।
- छात्र विषय, माध्यम एवं प्रकृति के अनुरूप फ़ोटोग्राफी सम्बन्धी तकनीकी कौशल विकसित होगा।
- छात्र 'प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में फ़ोटो शूट प्रविधि में प्रशिक्षित होंगे।

SYLLABUS OF GE-2

UNIT – I फ़ोटो पत्रकारिता: परिचय (12.5 hours)

- फ़ोटो पत्रकारिता का स्वरूप एवं फ़ोटो पत्रकार के गुण
- फ़ोटोग्राफी के मूलभूत सिद्धांत
- फ़ोटो पत्रकारिता के क्षेत्र एवं संभावनाएँ

UNIT – II फ़ोटोग्राफी का तकनीकी पक्ष (12.5 hours)

- फ़ोटो शूट प्रविधि - प्रकाश - व्यवस्था स्टूडियो के अंदर और बाहर
- फ़ोटोग्राफी : कैमरा, सम्पादन, स्पैशल इफेक्ट्स
- शॉट्स के प्रकार - रोल कैमरा, फ्रेम, शॉट, कैमरा एंगल, वाइड शॉट, लॉन्ग शॉट, मिड शॉट, क्लोज शॉट, डिजीटल कैम क्लोज अप शॉट, एक्सट्रीम क्लोजअप शॉट, टू, शॉट, ओवर द शोल्डर शॉट, मूविंग शॉट, रिवर्स शॉट, ट्रैकिंग शॉट, जूम शॉट पेन शॉट, टिल्ट शॉट, टिल्ट एंड पैन शॉट, लो एंड हाई एंगल शॉट स्टॉक शॉट प्वाइंट ऑफ व्यू फेरिंग

UNIT – III फ़ोटोग्राफी का रचनात्मक पक्ष (12.5 hours)

- फ़ोटोग्राफी का कलात्मक रूप
- फ़ोटोग्राफी रिसर्च एवं समीक्षा
- फीचर, समाचार, रिपोर्ताज और डॉक्यूमेंट्री में फ़ोटोग्राफी का महत्व

UNIT – IV फ़ोटोग्राफी का क्षेत्र और संपादन (12.5 hours)

- विभिन्न माध्यमों के लिए फ़ोटोग्राफी
- फ़ोटोग्राफी के प्रकार
- फ़ोटोग्राफी और वीडियो सम्पादन

Practical component (13- 14 Week)

- खेल या पर्यटन से सम्बंधित 10 फ़ोटो का निर्माण।

- प्रिंट मीडिया के लिए फोटोशूट और कैप्शन तैयार करना।
- आउटडोर शूटिंग और पर्यटन डॉक्यूमेंट्री तैयार करना।
- किसी एक फोटो प्रदर्शनी का भ्रमण और साक्षात्कार के आधार पर एक परियोजना कार्य तैयार करना।
- किसी एक सामाजिक विषय पर फोटो डॉक्यूमेंट्री तैयार करना।

Essential/recommended readings

1. प्रसारण और फोटो पत्रकारिता, ओम गुप्ता, कनिष्क प्रकाशन
2. संचार और फोटो पत्रकारिता, रमेश मेहरा, तक्षशिला प्रकाशन
3. फोटो पत्रकारिता, नवल जायसवाल, सामयिक प्रकाशन
4. प्रकाश लेखन और फोटो पत्रकारिता, गुलाब कोठारी, पत्रिका प्रकाशन
5. फोटो जर्नलिज्म, बी. के. देशपांडे, सोनाली पब्लिकेशन
6. फोटो जर्नलिज्म एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी, पंकज सेठी, नवयुग पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

Category I

बी.ए. आनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार

(B.A. Honours in Hindi Journalism & Mass Communication in three years)

मीडिया

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
मीडिया भाषा और अनुवाद DSC	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- भाषा और मीडिया के मूलतत्त्व से अवगत कराना।
- अनुवाद तकनीक से अवगत कराना।
- भाषा और मीडिया के सम्बंधों को समझाना।
- मीडिया अनुवाद का अभ्यास व व्यावहारिक पक्ष से परिचित कराना।

Learning Outcomes

- भाषा एवं मीडिया के अंतरसंबंधों से परिचित होंगे।
- मीडिया में अनुवाद की रोजगारोन्मुख संभावनाओं से अवगत हो सकेंगे।
- भाषा और मीडिया के संदर्भ में अनुवाद की भूमिका और दायित्वों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थियों में अनुवाद कौशल विकसित होगा।

SYLLABUS OF SEC

1. मीडिया भाषा और अनुवाद

10 घंटे (

- भाषा: परिभाषा और महत्व

- अनुवाद: परिभाषा, महत्व, प्रक्रिया
- मीडिया अनुवाद का स्वरूप और महत्व

2. प्रिंट मीडिया और अनुवाद

10 घंटे

- पत्र पत्रिकाओं में समाचार, लेख और संपादकीय की भाषा का स्वरूप
- प्रिंट मीडिया अनुवाद - पत्र : पत्रिकाओं के समाचार शीर्षक, समाचार, लेख, फीचर, संपादकीय और विज्ञापन का अनुवाद
- प्रिंट मीडिया अनुवाद की शब्दावली

3. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और अनुवाद

10 घंटे

- रेडियो और टेलीविजन समाचार भाषा समाचार शीर्षक, और समाचारों का अनुवाद
- रेडियो और टेलीविजन के विज्ञापनों का अनुवाद
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अनुवाद की शब्दावली

4. डिजिटल मीडिया व फिल्मों की भाषा और अनुवाद

15 घंटे

- सोशल नेटवर्किंग साइट्स, वेबसाइट, न्यूज़ पोर्टल, विकिपीडिया में अनुवाद का स्वरूप
- डिजिटल अनुवाद के उपकरण : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, अनुवाद ऐप्स, ऑनलाइन शब्दकोश
- फिल्म और डॉक्यूमेंट्री अनुवाद : शीर्षक अनुवाद, डबिंग

प्रायोगिक कार्य :

30 घंटे

1. अखबार में प्रकाशित समाचारों, लेख और फीचर के अनुवाद का अभ्यास कराना।
2. समाचार शीर्षक के अनुवाद का अभ्यास कराना।
3. टेलीविजन समाचारों और वृत्तचित्र का अभ्यास कराना।
4. अनुवाद ऐप्स का परिचय, ऐप्स आधारित अनुवाद का संपादन।
5. डिजिटल अनुवाद के विविध रूपों का अभ्यास कराना।
6. विज्ञापन अनुवाद का अभ्यास कराना।

संदर्भ पुस्तकें :

1. हिंदी भाषा भोलानाथ -तिवारी, किताब महल प्रकाशन
2. अनुवाद विज्ञान सिद्धान्त और अनुप्रयोग हिंदी ,डॉ नर्गेन्द्र - माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय , दिल्ली विश्वविद्यालय
3. अनुवाद की व्यापक संकल्पना। डॉ दिलीप सिंह ,वाणी प्रकाशन
4. पत्रकारिता में अनुवाद - जितेंद्र गुप्त, प्रियदर्शन, अरुण प्रकाश राधाकृष्ण प्रकाशक ,
5. अनुवाद : अवधारणा और आयाम डॉ सुरेश -सिंघल संजय प्रकाशन ,

Examination scheme and mode:

Total Marks:100

Internal Assessment: 25 Marks

End Semester University Exam:75 marks

The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

समाचार की अवधारणा और रिपोर्टिंग

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
समाचार की अवधारणा और रिपोर्टिंग DSC	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objective

- समाचार रिपोर्टिंग के विषय में सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना ।
- समाचार बोध विकसित करना ।
- छात्रों को प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और वेब मीडिया हेतु न्यूज़ लिखने के योग्य बनाना।
- रिपोर्टिंग के विभिन्न क्षेत्रों की जानकारी देना और विचार निर्माण कौशल को बढ़ावा देना।
- समसामयिक मुद्दों पर तथ्य आधारित विचार - विमर्श और विश्लेषण कौशल का विकास करना।

Course Learning Outcomes

- न्यूज़ रिपोर्टिंग के सिद्धांत और तकनीक के विषय में अच्छी समझ विकसित होगी।
- समाचार बोध का विकास होगा।
- इवेंट कवर करने और समाचार लिखने की योग्यता विकसित होगी।
- न्यू स्टोरी लेखन के लिए सामग्री योजना और विचार निर्माण का व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त होगा।
- समसामयिक मुद्दों पर विचार-विमर्श और विश्लेषण करने में दक्ष होंगे।

SYLLABUS

1. समाचार 10 घंटे

- समाचार अवधारणा एवं महत्व :
- समाचार के तत्त्व एवं प्रकार
- समाचार स्रोत एवं समाचार संकलन

2. समाचार लेखन 10 घंटे

- समाचार : संरचना, सिद्धांत एवं तकनीक
- समाचार शैली : विलोम स्तूपी, फीचर शैली,
- इंद्रो और शीर्षक लेखन

3. समाचार रिपोर्ट 10 घंटे

- रिपोर्टर के गुण, दायित्व एवं चुनौतियां
- बीट रिपोर्टिंग : शिक्षा, स्वास्थ्य, अपराध, नागरिक मुद्दे, संसदीय, अदालत, खेल एवं व्यापार
- हार्ड न्यूज़ एवं सॉफ्ट न्यूज़ अवधारणा एवं अंतर स्टिंग ऑपरेशन , पीत पत्रकारिता ,

4. माध्यम लेखन 15 घंटे

- प्रिंट मीडिया के लिए समाचार के चयन का आधार एवं लेखन
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए समाचार के चयन का आधार एवं लेखन
- डिजिटल मीडिया के लिए समाचार के चयन का आधार एवं लेखन

प्रायोगिक कार्य : 30 घंटे

1. विविध विषयों पर प्रकाशित खबरों के पुनर्लेखन का अभ्यास कराना।
2. समाचार पत्र में प्रकाशित खबरों के आधार पर शीर्षक लेखन का अभ्यास कराना।
3. स्थानीय स्थलों पर जाकर नागरिक मुद्दों पर समाचार पत्र, पत्रिका, रेडियो, टेलीविजन या वेब के लिए रिपोर्ट तैयार करना।
4. किसी एक विषय पर समाचार, समाचार विश्लेषण और साक्षात्कार तैयार करना।
5. चयनित कार्टून और चित्रों के लिए कैप्शन लेखन करना।
6. किसी मानवीय अभिरुचि, विकास या सामाजिक मुद्दे पर पॉडकास्ट, टेलीविजन रिपोर्ट या ब्लॉग तैयार करना।
7. प्रेस कॉन्फ्रेंस प्रेस रिलीज के आधार ,ार पर रिपोर्ट बनाना।

Essential/recommended readings

- समाचार और संवाददाता -काशीनाथ जोगलेकर, वाराणसी विश्वविद्यालय प्रकाशन

- समाचार संकलन और लेखन - नंदकिशोर त्रिखा, हिंदी समिति उत्तर प्रदेश
- क्राइम रिपोर्टर - हर्ष देव, भारतीय जनसंचार संस्थान नई दिल्ली
- हिंदी के आधुनिक पत्रकारिता - अरुण कुमार भगत, नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत सरकार
- समाचार, फीचर लेखन एवं संपादन कला - हरिमोहन तक्षशिला पब्लिकेशन, नई दिल्ली
- खोजी पत्रकारिता - एच. भीष्मपाल, प्रकाशन विभाग
- साइबर पत्रकारिता - विजय कुलश्रेष्ठ, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी

Examination scheme and mode:

Total Marks:100

Internal Assessment: 25 Marks

End Semester University Exam:75 marks

The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

मीडिया लेखन DSC

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
मीडिया लेखन DSC	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objective

1. विभिन्न जनमाध्यमों के लिए मीडिया लेखन की जानकारी देना।
2. मीडिया लेखन के विविध प्रारूपों एवं उनमें प्रयुक्त शब्दावली से परिचित कराना।
3. मीडिया के विविध रूपों में लेखन प्रक्रिया एवं जानकारी लेना।

Course Learning Outcomes

1. विद्यार्थी जनमाध्यमों के विविध स्वरूपों के लिए लेखन की जानकारी प्राप्त होगी।
2. मीडिया शब्दावली से परिचित होकर मीडिया संस्थानों में कार्य करने हेतु तैयार होंगे।
3. व्यावसायिक क्षेत्र में उपयोगी प्रशिक्षण मिलेगा।

1. मीडिया लेखन:

10 घंटे

- मीडिया लेखन के आधारभूत सिद्धांत
- मीडिया लेखन कौशल
- मीडिया लेखन के विविध क्षेत्र डिजिटल ,वेबसाइट ,रेडियो ,टेलिविज़न ,पत्रिका ,समाचार पत्र : मीडिया

2. प्रिंट के लिए लेखन :

10 घंटे

- संपादकीय पृष्ठ संरचना और लेखन ,संपादकीय : संपादक के नाम पत्र कॉलम एवं संपादकीय , पृष्ठ की भाषा

- फीचर लेख एवं स्तम्भ लेखन ,
- प्रिंट लेखन के अन्य विविध रूप : समाचार ,साक्षात्कार परिशिष्ट लेखन ,कैप्शन लेखन ,

3. टेलिविज़न के लिए लेखन :

10 घंटे

- इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट माध्यम के लिए लेखन में अंतर
- टेलीविजन के विविध कार्यक्रमों के लिए लेखन । धारावाहिक लेखन कॉमेडी ,डॉक्युमेंट्री लेखन , शो
- ओटीटी प्लेटफॉर्म के लिए लेखन

4. रेडियो के लिए लेखन

: 15 घंटे

- रेडियो लेखन की विशेषता
- रेडियो में भाषा उच्चारण एवं उद्घोषक का महत्व ,
- रेडियो कार्यक्रम के विविध प्रारूप के लिए लेखन । वार्ता ,जिंगल ,समाचार ,नाटक ,फीचर , पाँड्कास्ट लेखन

प्रायोगिक कार्य

30 घंटे

- किसी समाचार पत्र के लिए संपादकीय लेख या फीचर लिखना। ,
- टेलिविज़न के लिए एक पैकेज लिखना।
- रेडियो के लिए परिचर्चा की स्क्रिप्ट लिखना।

Essential/recommended readings

1. मीडिया लेखन सिद्धांत एवं व्यवहार संजय प्रकाशन ,चंद्र प्रकाश मिश्रा :
2. जनसंचार और मीडिया लेखन नेशनल पब्लिशिंग हाउस ,रेवती शरण शर्मा :
3. मीडिया लेखन सृजन कल्पाज प्रकाशन ,ओम गुप्ता :
4. मीडिया लेखन कला नई दिल्ली ,ओमेगा प्रकाशन ,निशांत सिंह :
5. कथा वाणी प्रकाशन ,मन्नु भंडारी : पटकथा-

Examination scheme and mode:

Total Marks:100

Internal Assessment: 25 Marks

End Semester University Exam:75 marks

The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

(क)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
(क) फिल्म अध्ययन (GE)	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objective

- सिनेमा का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान देना।
- सिनेमा के तत्वों एवं कथा तकनीकों से परिचित कराना एवं सिनेमा के विभिन्न आंदोलनों का परिचय देना।
- सिनेमा निर्माण प्रक्रिया की समझ विकसित करना।
- सिनेमा के माध्यम से भारतीय समाज एवं संस्कृति का बोध कराना।

Course Learning Outcomes

- सिनेमा की भाषा एवं विजुअल्स की समझ विकसित होगी।
- सिनेमा संबंधी तकनीकी कौशल का विकास होगा।
- फिल्मों में अंतर्निहित समाज एवं संस्कृति के अंतरसंबंधों के विश्लेषण में दक्ष होंगे।
- भारतीय सिनेमा की विश्लेषण क्षमता बढ़ेगी।

1. सिनेमा सामान्य परिचय : $3 + 1 \times 3 = 9 + 3$ 1 से (सप्ताह 3)

- हिन्दी सिनेमा की इतिहास यात्रा, स्वतंत्रता पूर्व - स्वातंत्र्योत्तर सिनेमा, भूमंडलीकरण के दौर का सिनेमा

- सिनेमा के प्रकार - लोकप्रिय सिनेमा, समानान्तर सिनेमाकला सिनेमा ,, क्षेत्रीय सिनेमा
- सिनेमा की भाषा (विजुअल्स और शॉट्स के आधार पर)का अध्ययन

2. सिनेमा ,समाज और संस्कृति 3 +1x3 = 9+3) 4 से (सप्ताह 6

- राष्ट्रीय चेतना और हिंदी सिनेमा
- लोक संस्कृति, सिनेमा और जन मनोविज्ञान
- क्षेत्रीय हिन्दी सिनेमा - भोजपुरी ,हरियाणवी ,राजस्थानी बोलियों का सिनेमा

3. सिनेमा तकनीक 3 +1x3 = 9+3) 7 से (सप्ताह 9

- सिनेमा में पटकथा, अभिनय, संवाद,ध्वनि,गीत, संगीत, नृत्य, निर्देशन, कैमरा, लाइट दृश्य और, स्पेशल इफेक्ट्स तकनीक
- भारतीय सिनेमा में गीत, संगीत और नृत्य की भाषा
- एनिमेशन ,क्रॉसओवर ,ऑफ बीट ,ओटीटी प्लेटफॉर्म और वेब सिनेमा

4. सिनेमा का अर्थशास्त्र और प्रबन्धन 3 +1x3 = 9+3) 10 से (सप्ताह 12

- सिनेमा की मार्केटिंग तकनीक
- सिनेमा का राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय बाजार -
- सिनेमेटोग्राफी एक्ट 1956

प्रायोगिक कार्य 3+1x3 = 9+3) 13 से 14 सप्ताह(

- दी गई फ़िल्मों में से किसी एक फिल्म की समीक्षा कीजिए । राजा हरिश्चंद्र, मदर इंडिया ,दो बीघा जमीन ,शहीद ,दंगल, मैरीकॉम ,स्वदेश ,दादा लखमी
- भारतीय संस्कृति को अभिव्यक्त करती किसी एक फिल्म की भाषा
- विजुअल्स और शॉट्सपर रिपोर्ट तैयार करना (
- किसी एक फिल्म में अभिव्यक्त जीवन मूल्यों का विश्लेषण और प्रभाव की समीक्षा
- भारतीय संस्कृति को अभिव्यक्त करती लघु फिल्म का निर्माण कराना)8 -10 मिनट(
- ओटीटी प्लेटफॉर्म और दायित्व बोध एवं भारतीय सिनेमेटोग्राफी एक्ट की समीक्षा और 1956 संशोधन के सुझाव

Essential/recommended readings

- हिन्दी सिनेमा के सौ बरस : मृत्युंजय, शिल्पायन प्रकाशन

- सत्यजीत राय का सिनेमा : चिदानन्द दास गुप्ता, नेशनल बुक ट्रस्ट, प्रकाशन
- भारतीय सिनेमा का सफरनामा : डॉ पुनीत बिसारिया, अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर , नई दिल्ली
- फिल्में कैसे बनती है : हरमल सिंह, राजस्थान पत्रिका प्रकाशन
- सिनेमा की सोच : अजय ब्रह्मात्मज, वाणी प्रकाशन

Examination scheme and mode:

Total Marks:100

Internal Assessment: 25 Marks

End Semester University Exam:75 marks

The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

(ख)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
(ख) सोशल मीडिया (GE)	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objective

- सोशल मीडिया के मूलतत्त्व से अवगत कराना।
- नेटवर्किंग तकनीक से अवगत कराना।
- सोशल मीडिया का उद्भव एवं विकास समझाना।
- सोशल मीडिया के वैचारिक, सांस्कृतिक और नैतिक परिदृश्य से परिचित कराना।

Course Learning Outcomes

- समाज एवं संस्कृति पर सोशल मीडिया के प्रभाव से परिचित होंगे।
- डिजिटल मीडिया में रोजगारोन्मुख संभावनाओं से अवगत हो सकेंगे।
- सोशल मीडिया की भूमिका और दायित्वों से परिचित होंगे।

1. सोशल मीडिया सामान्य परिचय :

10 घंटे

- सोशल मीडिया स्वरूप एवं विकास :
- सोशल मीडिया विशेषताएँ :
- लोकतंत्र और सोशल मीडिया

2. सोशल मीडिया : प्रकार और प्रयोग

10 घंटे

- सोशल नेटवर्किंग साइट्स

- सोशल मीडिया ट्रायलमीम्स ,ट्रोलिंग ,, रील्स ,
- ब्रांडिंग एवं व्यावसायिकता उद्देश्य

3. सोशल मीडिया कंटेंट लेखन

10 घंटे

- प्रिंट टीवी, रेडियो एवं डिजिटल मीडिया कंटेंट लेखन में अंतर
- सोशल मीडिया पर सूचना निर्माण, फेक न्यूज़, फेक्ट चेक
- सोशल मीडिया | रचनात्मकता के नए आयाम : लेखन शिक्षण और कला के संदर्भ में ,

4. सोशल मीडिया नियमन और प्रभाव

15 घंटे

- साइबर अपराध एवं सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम
- सामुदायिक निर्माण और जनसंपर्क
- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एवं स्वनियमन

प्रायोगिक कार्य

: 30 घंटे (

- ई न्यूज़ लेटर, ई पत्रिका, ब्लॉग निर्माण व लेखन।
- केस स्टडी अन्ना आंदोलन -, कोरोना काल जनजागृति ,लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव , अभियान
- जन सर्वेक्षण के आधार पर-सोशल मीडिया के प्रभावों और लोकप्रियता का विश्लेषण एवं उसकी रिपोर्ट प्रस्तुति।
- सोशल मीडिया के माध्यम से बनी खबरों पर एक रिपोर्ट तैयार करना।

Essential/recommended readings

- दूरसंचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी - डी. डी. ओझा ज्ञान गंगा दिल्ली ,सत्यप्रकाश ,
- न्यू मीडिया इन्टरनेट की भाषाई चुनौतियां - एस आर अनुराधा ,राधाकृष्ण प्रकाशन , दिल्ली
- हिन्दी ब्लॉगिंग अभिव्यक्ति की नयी क्रान्ति - अविनाश वाचस्पति, रवीन्द्र प्रभात , हिंदी साहित्य निकेतन उत्तरप्रदेश ,
- भूमंडलीकरण और मीडिया - कुमुद शर्मा नई दिल्ली ,ग्रंथ अकादमी ,
- संस्कृति, विकास और संचार क्रान्ति - पूरनचंद्र जोशी नई दिल्ली ,ग्रंथ शिल्पी ,
- नया मीडिया अध्ययन और अभ्यास | शालिनी जोशी पेंगुइन बुक्स ,शिवप्रसाद जोशी ,
- मुक्त समाज की मृगमरीचिका - नॉम चोमस्की

Examination scheme and mode:

Total Marks:100

Internal Assessment: 25 Marks

End Semester University Exam:75 marks

The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

बी.ए. ऑनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार

Category I

बी.ए. ऑनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार **for Undergraduate Honours**
(B.A. Honours in Hindi Journalism & Mass Communication)

माध्यम कानून और आचार संहिता DSC 7 (4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 7 माध्यम कानून और आचार संहिता	4	3	0	1	12 th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. छात्रों को मीडिया संबंधी कानूनों से अवगत कराना।
2. छात्रों को संविधान में निहित सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति संवेदनशील बनाना।
3. छात्रों को मीडिया नियमन और भविष्य की चुनौतियों का अवलोकन कराना।
4. छात्रों में मीडिया की आचार संहिता और आत्म नियमन की समझ विकसित करना।

Learning Outcomes

1. भारतीय मीडिया के संवैधानिक आयामों की समझ विकसित होगी।
2. मीडिया के कानूनों और नियमों से परिचित होंगे।
3. मीडिया की आचार संहिता और आत्म नियमन की समझ विकसित होगी।
4. सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ स्वस्थ और ईमानदार पत्रकारिता हेतु दक्ष होंगे।

1. प्रेस की स्वतंत्रता और संवैधानिक प्रावधान 10 घंटे

- वाक एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, अनुच्छेद 19(1) (a), (19) (2)
- विविध प्रेस आयोग
- श्रमजीवी पत्रकार कानून (पालेकर, बछावत, मजीठिया और मणिसाना)

2. अधिनियम और कानून 10 घंटे

- प्रेस एवं पुस्तक पंजीकरण अधिनियम 1867, बौद्धिक संपदा कानून - प्रतिलिप्याधिकार कानून 1957, पेटेंट कानून 1970
- शासकीय गोपनीयता अधिनियम 1923, सूचना का अधिकार 2005
- युवकों के लिए हानिप्रद प्रकाशन कानून 1956, महिलाओं के अशिश्ट रूपण प्रतिषेध अधिनियम 1986

3. मीडिया कानून और समाज 10 घंटे

- भारतीय दंड संहिता 1860: मानहानि, राजद्रोह
- न्यायालय अवमानना अधिनियम अनुच्छेद 1971 (अनुच्छेद 361)
- संसदीय एवं विधान मंडल विशेषाधिकार

4. इलेक्ट्रॉनिक और न्यू मीडिया कानून 15 घंटे

- सिनेमैटोग्राफी अधिनियम
- मीडिया के नए कानून 2021
- माध्यम आचार संहिता: अवधारणा और आवश्यकता, एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया की आचार संहिता, विज्ञापन संबंधी आचार संहिता

व्यावहारिक कार्य : 30 घंटे

- किसी एक न्यायिक प्रक्रिया का अवलोकन और उसकी रिपोर्ट तैयार करना।
- संसदीय प्रक्रिया का अवलोकन और उसकी रिपोर्ट तैयार करना।
- न्यायालय की तकनीकी शब्दावली तैयार करना।
- विभिन्न प्रेस कानूनों (उपरोक्त) से संबंधित केस स्टडी पर आधारित एक परियोजना कार्य।

संदर्भ पुस्तकें :

1. शासकीय गजट में प्रकाशित संबंधित अधिनियम
2. भारतीय दंड संहिता, प्रकाशन विभाग द्वारा प्रकाशित मूल अधिनियम
3. आपातकालीन पत्रकारिता की संघर्ष-गाथा, अरुण कुमार भगत, अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली
4. प्रेस विधि, नंदकिशोर त्रिखा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. प्रेस कानून और पत्रकारिता, संजीव भानावत, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
6. प्रेस विधि एवं अभियुक्त स्वातंत्र्य, डॉ हरबंश दीक्षित, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम, वेद प्रताप वैदिक, हिन्दी बुक सेंटर, नई दिल्ली
8. जनमाध्यम कानून एवं उत्तरदायित्व, श्रीकांत सिंह, हिन्दी बुक सेंटर, नई दिल्ली
9. बौद्धिक संपदा विधियां, ज्ञानवती धाकड़, सेंट्रल लॉ प्रकाशन

संपादन DSC 8 (4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 8 संपादन	4	3	0	1	12 th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. समाचार संपादन के महत्व, प्रक्रिया और प्रयोग से छात्रों को अवगत कराना।
2. समाचार संपादन में आवश्यक कारकों की जानकारी प्रदान करना।
3. विभिन्न माध्यमों के संपादन कार्य से परिचित कराना।
4. संपादकीय लेखन, प्रूफ संशोधन आदि का ज्ञान प्रदान करना।

Course Learning Outcomes

1. छात्र समाचार लेखन में संपादन कार्य के महत्व को समझ पायेंगे।
2. पेज मेकअप, ले आउट, डिजाइन आदि की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
3. छात्र ऑनलाइन संपादन का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

1. संपादन 10 घंटे

- संपादन अर्थ, उद्देश्य, प्रक्रिया और प्रमुख सिद्धान्त
- समाचार पत्र एवं पत्रिका संपादन
- रेडियो टीवी एवं ऑनलाइन समाचार संपादन

2. समाचार संपादन 10 घंटे

- कॉपी संपादन, ऑनलाइन संपादन, पृष्ठ समाचार संपादन
- ग्राफिक्स कार्टून और फोटो चयन

- लेआउट, डिज़ाइन एवं पेज मेकअप

3. संपादन तकनीक 10 घंटे

- संपादकीय पृष्ठ की संरचना और संपादकीय लिखना
- संपादकीय नीति और स्टाइल पुस्तिका
- संपादकीय चिह्न और पांडुलिपि संशोधन, प्रूफ संशोधन

4. विशेष लेख और संपादन 15 घंटे

- संपादकीय विभाग का ढांचा
- संपादक एवं उपसंपादक के कार्य एवं योग्यताएं
- शीर्षक लेखन, टिप्पणी, विश्लेषण, समीक्षा, संपादन के नाम पत्र

5. व्यावहारिक कार्य : 30 घंटे

- संपादकीय पृष्ठ हेतु लेखन की प्रस्तुति
- संपादकीय पृष्ठ का डमी निर्माण
- संपादकीय पृष्ठ का तुलनात्मक अध्ययन और उसकी प्रस्तुति
- प्रकाशन हेतु कॉपी तैयार करना

सहायक पुस्तकें :

1. पत्रकारिता : सर्जनात्मक लेखन और रचना-प्रक्रिया, अरुण कुमार भगत, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, दिल्ली
2. ग्राफ़िक डिज़ाइन, नरेंद्र यादव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकुला
3. समाचार, फ़ीचर लेखन एवं संपादन कला, डॉ हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी की आधुनिक पत्रकारिता, अरुण कुमार भगत, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, दिल्ली
5. सोशल नेटवर्किंग: नए समय का संवाद, डॉ संजय द्विवेदी, यश पब्लिकेशन्स, दिल्ली
6. संपादन कला, के पी नारायणन, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
7. समाचार-पत्र, मुद्रण और साज-सज्जा, श्यामसुंदर शर्मा, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल

रेडियो DSC 9 (4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
रेडियो DSC 9	4	3	0	1	12 th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objective

1. रेडियो का व्यावहारिक परिचय कराना।
2. रेडियो कार्यक्रमों द्वारा सांस्कृतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित कराना।
3. बदलते दौर में नए वैश्विक संदर्भ और कार्यक्रम प्रविधि तकनीक से अवगत कराना।
4. रेडियो कार्यक्रम, उपकरण, लेखन, रिपोर्टिंग संबंधी पहलुओं से अवगत कराना।

Course Learning Outcomes

1. रेडियो कार्यक्रम की समझ विकसित होगी।
2. श्रव्य माध्यम का महत्व समझेंगे।
3. रेडियो का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा।
4. वैश्विक परिदृश्य और नई तकनीक की जानकारी होगी।

1. जन श्रव्य माध्यम रेडियो - सामान्य परिचय 10 घंटे

- भारतीय परिप्रेक्ष्य में रेडियो के प्रमुख बदलाव: 90 के दशक के बाद से आज तक
- रेडियो की विशेषताएं और संभावनाएं
- रेडियो के विविध रूप : एएम, एफएम, सामुदायिक रेडियो, पॉडकास्ट

2. रेडियो कार्यक्रम लेखन 10 घंटे

- समाचार कार्यक्रमों के लिए लेखन: समाचार बुलेटिन, वार्ता, एंकरिंग
- मनोरंजन कार्यक्रम की विधाएँ : लघु नाटिका, फिल्म, नाटक, प्रहसन, डाक्यूमेंट्री

- विशिष्ट श्रोता वर्ग कार्यक्रम: स्त्री, बाल, युवा, बुजुर्ग, सैनिक, किसान, ग्रामीण, शहरी, आदिवासी और दिव्यांग

3. रेडियो कार्यक्रम तकनीक एवं संपादन 10 घंटे

- रेडियो केंद्र का ढांचा, संगठन और कार्यप्रणाली
- रेडियो स्टूडियो के विभिन्न उपकरण : रिकॉर्डर, हेडफोन, कंसोल, माइक्रोफोन, ऑन एयर लाइट, ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर
- रेडियो जॉकी : भूमिका और दायित्व

4. रेडियो प्रबंधन 15 घंटे

- आकाशवाणी, एफ.एम. और सामुदायिक रेडियो का प्रबंधन
- रेडियो कार्यक्रम: विपणन और वितरण
- आकाशवाणी की रेडियो प्रसारण संबंधी आचार संहिता

व्यावहारिक कार्य 30 घंटे

- रेडियो पर प्रसारित सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की समीक्षा करना।
- रेडियो के लिए किसी समाचारपरक, वार्तापरक, और मनोरंजन परक कार्यक्रम की स्क्रिप्ट तैयार करना।
- रेडियो के लिए 5 मिनट का साक्षात्कार तैयार करना।
- रेडियो के लिए 5 मिनट का समाचार बुलेटिन और न्यूजरील तैयार करना।
- किसी समसामयिक मुद्दे पर 5 मिनट का पॉडकास्ट तैयार करना।

Essential/recommended readings

1. अंडरस्टैंडिंग रेडियो: एंड्रयू क्रिसेल, क्रिसेल टेलर एंड ग्रुप पब्लिकेशन
2. रेडियो और दूर-दर्शन पत्रकारिता, डॉ हरिमोहन, तक्षशिला, नई दिल्ली
3. ब्रॉडकास्टिंग इन इंडिया : जी.सी.अवस्थी, एलाइड पब्लिकेशन
4. रेडियो लेखन: मधुकर गंगाधर, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना
5. रेडियो जॉकीईंग की कला, डॉ हरिमोहन, तक्षशिला, दिल्ली
6. इंडिया ब्रॉडकास्टिंग: एच.के लूथरा, प्रकाशन विभाग, भारत सरकार
7. ब्रॉडकास्टिंग एंड द पीपुल्स: मेहरा मसानी, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली

क्षेत्रीय पत्रकारिता DSE 1- (4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 1 क्षेत्रीय पत्रकारिता	4	3	0	1	12 th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. क्षेत्रीय पत्रकारिता के स्वरूप को समझाना।
2. संस्कृति-विकास और स्थानीय महत्व की दृष्टि से क्षेत्रीय पत्रकारिता की उपयोगिता से अवगत कराना।
3. लोक कला, लोक साहित्य, लोक संगीत के विकास में क्षेत्रीय पत्रकारिता की भूमिका पर विचार करना।

Course Learning Outcomes

1. समाज और संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में क्षेत्रीय पत्रकारिता के विविध रूपों की जानकारी हासिल कर पाएंगे।
2. स्थानीय भाषाओं के महत्व एवं उसके योगदान से अवगत होंगे।
3. क्षेत्रीय पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगारपरक संभावनाओं से परिचित होंगे।

1. क्षेत्रीय पत्रकारिता : सामान्य परिचय

10 घंटे

- क्षेत्रीय पत्रकारिता – अर्थ स्वरूप एवं प्रकृति
- स्वाधीनता संग्राम में क्षेत्रीय पत्रकारिता का योगदान
- मुख्यधारा की मीडिया और क्षेत्रीय पत्रकारिता में अंतर

2. क्षेत्रीय पत्रकारिता : सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभाव 10 घंटे

- क्षेत्रीय पत्रकारिता का प्रबंधन और बाज़ार, सामग्री संकलन
- सामाजिक परिवर्तन और लोक संस्कृति पर क्षेत्रीय पत्रकारिता का प्रभाव

- क्षेत्रीय पत्रकारिता की भाषा शैली

3. क्षेत्रीय पत्रकारिता की अंतर्वस्तु

10 घंटे

- क्षेत्रीय पत्र-पत्रिकाओं में स्थानीय समाचार, जनसरोकार संबंधी मुद्दों की प्रस्तुति
- आकाशवाणी – दूरदर्शन में क्षेत्रीय कार्यक्रमों की प्रस्तुति के विविध आयाम
- ऑनलाइन क्षेत्रीय पत्रकारिता और क्षेत्रीय मुद्दे

4. क्षेत्रीय ग्रामीण पत्रकारिता

15 घंटे

- क्षेत्रीय पत्रकारिता में ग्रामीण संदर्भ
- प्रिंट माध्यमों में जनपदीय ब्यूरो-संरचना, संकलन एवं अन्य संदर्भ
- क्षेत्रीय पत्रकार की कार्यप्रणाली और चुनौतियाँ

प्रायोगिक कार्य :

30 घंटे

- मुख्य-धारा एवं क्षेत्रीय समाचार-पत्र, पत्रिकाओं की विषयवस्तु का तुलनात्मक विश्लेषण
- क्षेत्रीय समाचार पत्र के लिये रिपोर्ट लेखन, फ़ीचर प्रस्तुत करना
- क्षेत्रीय पत्रकारिता की भाषा शैली की समीक्षा करना
- स्थानीय मुद्दों पर आधारित न्यूजलेटर का निर्माण करना

सहायक पुस्तकें :

1. मीडिया में महिलाओं की भूमिका, संगीता अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन
2. बिहार में पत्रकारिता का इतिहास, विजय भास्कर, प्रभात प्रकाशन
3. कृषि पत्रकारिता का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पक्ष, राम कृष्ण पराशर, नकुल पराशर, हिंदी माध्यम क्रियान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
4. हिंदी पत्रकारिता शब्द संपदा, बट्टीनाथ आर, राकेश शिवकुमार अवस्थी
5. हिंदी पत्रकारिता और राष्ट्रीय एकता, डॉ हरिमोहन, डॉ जयंत शुक्ल, तक्षशिला प्रकाशन
6. हिंदी के प्रमुख समाचार-पत्र और पत्रिकाएं, अच्युतानंद मिश्र, सामयिक प्रकाशन
7. हिन्दी के प्रमुख क्षेत्रीय समाचार पत्र-पत्रिकाओं और चैनलों पर प्रकाशित-प्रसारित सामग्री

DSE 2 पर्यावरण पत्रकारिता

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 2 पर्यावरण पत्रकारिता	4	3	0	1	12 th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. पर्यावरण के प्रति छात्रों में संवेदनशीलता पैदा करना।
2. पर्यावरण संरक्षण के प्रति छात्रों को जागरूक करना।
3. पर्यावरण संरक्षण के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करना।
4. प्रकृति, राष्ट्रीय संसाधनों के प्रति प्रेम एवं सह-अस्तित्व का भाव पैदा करना।

Course Learning Outcomes

1. पर्यावरण के प्रति समझ विकसित होगी।
2. पर्यावरण समस्याओं से छात्र अवगत होंगे।
3. पर्यावरण संरक्षण में मीडिया के प्रयोग को समझ सकेंगे।
4. पर्यावरण समस्याओं को उजागर करने में मीडिया की भूमिका से अवगत होंगे।

1. पर्यावरण जागरूकता और मीडिया 10 घंटे

- पर्यावरण अध्ययन की परिभाषा, क्षेत्र और महत्व
- ग्लोबल और भारतीय मीडिया में पर्यावरण जागरूकता एवं प्रमुख पर्यावरण मुद्दे
- प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में मीडिया की भूमिका

2. पर्यावरण संरक्षण एवं मीडिया 10 घंटे

- राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण संरक्षण आंदोलन और मीडिया
- अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन एवं मीडिया
- वैश्विक अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण समझौते

3. पर्यावरण एवं भारतीय मीडिया

10 घंटे

- पर्यावरण से संबंधित भारतीय मीडिया का दृष्टिकोण
- प्रिंट मीडिया में पर्यावरण प्रस्तुति
- टीवी, रेडियो एवं डिजिटल मीडिया में पर्यावरण मुद्दे

4. पर्यावरण चिंताएँ एवं मीडिया

15 घंटे

- प्रमुख पर्यावरण चुनौतियाँ और मुद्दे : जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, प्रदूषण, ग्रीन हाउस गैस प्रभाव
- राष्ट्रीय और स्थानीय स्तरों पर जैव विविधता
- पर्यावरण संबंधी सूचना के प्रसार में मीडिया की भूमिका
- विभिन्न पर्यावरणीय समस्याओं के संदर्भ में मीडिया की भूमिका।

प्रायोगिक कार्य

30 घंटे

- विभिन्न पर्यावरणविदों से साक्षात्कार
- जल संकट, वायु प्रदूषण, पर्यावरणीय संकट पर डॉक्यूमेंट्री तैयार करना
- पर्यावरणीय संकट पर फ़ीचर, स्लोगन, रिपोर्ट, परिचर्चा
- पर्यावरणीय मुद्दों पर आधारित न्यूज़ लेटर निर्माण करना

सहायक पुस्तकें :

1. भारत में जनसंचार, केवल जे कुमार, जैको पब्लिशिंग हाउस
2. पर्यावरण अध्ययन में परिप्रेक्ष्य, ए. कौशिक और पी.सी. कौशिक, दरियागंज, न्यू एज प्रकाशन, दिल्ली
3. पर्यावरण अध्ययन, डॉ दया शंकर त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. पर्यावरण अध्ययन-संकट से इलाज तक, आर राजगोपालन, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली

DSE 3 कम्प्यूटर तकनीक एप्लीकेशन एवं मीडिया (ग)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 3 कम्प्यूटर तकनीक एप्लीकेशन एवं मीडिया	4	3	0	1	12 th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. कंप्यूटर और इंटरनेट के स्वरूप, कार्यप्रणाली और उपयोगिता से अवगत कराना।
2. मीडिया में कंप्यूटर और इंटरनेट तकनीक से अवगत कराना।
3. इंटरनेट आधारित संचार के स्वरूप को समझाना।
4. मीडिया के तकनीकी परिदृश्य से परिचित कराना।

Course Learning Outcomes

1. मीडिया में कंप्यूटर और इंटरनेट के प्रयोग को जान पाएँगे।
2. मीडिया में कंप्यूटर और इंटरनेट से परिचित होकर रोजगार की संभावनाओं से परिचित होंगे।
3. कम्प्यूटर और इंटरनेट के विभिन्न अनुप्रयोगों का उपयोग कर सकेंगे।
4. इंटरनेट आधारित अभिव्यक्ति के नए रूपों के प्रयोग में सक्षम होंगे।

1. कंप्यूटर और इंटरनेट का सामान्य परिचय:

10 घंटे

- सूचना-स्रोत तथा कन्टेन्ट प्रसारक के रूप में मीडिया में इंटरनेट का अनुप्रयोग
- मीडिया के कामकाज में प्रयुक्त प्रमुख सॉफ्टवेयर : एम एस वर्ड, क्वार्क एक्सप्रेस, इन डिजाइन, कोरल ड्रा, माइक्रोसॉफ्ट पब्लिशर, फोटोशॉप, केनवा
- कंप्यूटर और मल्टीमीडिया (ग्राफिक्स, फोटोग्राफ, वीडियो तथा ऑडियो)

2. कंप्यूटर, इंटरनेट, तकनीक और मीडिया लेखन

10 घंटे

- सोशल मीडिया लेखन: फेसबुक, इंस्टाग्राम, ब्लॉग लेखन
- ऑडियो रिकॉर्डिंग और संपादन, पॉडकास्ट एप
- वेबसाइट कंटेंट लेखन, संपादन, ले आउट, डिजाइन

3. कंप्यूटर, इंटरनेट और मुद्रित माध्यम 10 घंटे

- मैगजीन एप और पत्रिका निर्माण, न्यूजपेपर एप
- पोस्टर और बैनर एप और निर्माण
- ब्रोशर एप और निर्माण

4. कंप्यूटर इंटरनेट आधारित संचार के नए रूप 15 घंटे

- रील्स, मीम, शार्ट वीडियो, डिजिटल विज्ञापन, वेब सीरीज, स्टीकर, इमोजी
- लाइव स्ट्रीमिंग: कार्यप्रणाली तथा उपलब्ध मंच
- भारत में सूचना प्रौद्योगिकी तथा कॉपीराइट कानून

प्रायोगिक कार्य 30 घंटे

- रील्स, मीम, शार्ट वीडियो, डिजिटल विज्ञापन निर्माण करना
- पोस्टर और बैनर
- ब्रोशर निर्माण

सहायक पुस्तकें :

1. तकनीक तेरे कितने आयाम, बालेन्दु शर्मा दाधीच, प्रभात प्रकाशन
2. मास मीडिया एंड इन्फोमेशन टेक्नोलॉजी, जे के सिंह
3. डिजीटल इंडिया, अजय कुमार, प्रभात प्रकाशन
4. तकनीकी सुलझनें, बालेन्दु शर्मा दाधीच, ई प्रकाशक
5. सूचना प्रौद्योगिकी और समाचार पत्र, रविंद्र शुक्ला, राजकमल प्रकाशन
6. दिव्यांगों के लिए तकनीक, बालेन्दु शर्मा दाधीच, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
7. Internet as a Media, Sandeep Banarjee, Kalpaz Publication, 2014
8. Internet and Mass Media, Lucy Kung, Robert G. Pichard, Ruth Towse, Sage Publication, 200

GE (क) राजनीतिक दार्शनिक विचारक एवं मीडिया (4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE (क) राजनीतिक दार्शनिक विचारक एवं मीडिया	4	3	0	1	12 th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- भारत के प्रमुख राजनीतिज्ञों के योगदान की जानकारी प्रदान करना।
- जनसंचार माध्यमों में राजनीतिक-दर्शन और घटनाओं की उपस्थिति से अवगत कराना।
- स्वतंत्रता-पूर्व और स्वातंत्र्योत्तर पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित राजनीतिक-सांस्कृतिक सामग्री का मूल्यांकन करना।
- प्रमुख राजनीतिक दार्शनिकों, पत्रकारों के योगदान का परिचय देना।

Course Learning Outcomes

- भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों की समझ विकसित होगी।
- भारत-निर्माण में मीडिया की भूमिका की जानकारी प्राप्त होगी।
- समय और घटना-विशेष के संदर्भ में पत्र-पत्रिकाओं एवं पत्रकारों का योगदान रेखांकित हो सकेगा।
- भारत-बोध विकसित होगा।

1. राजनीति और मीडिया

10 घंटे

- भारत में राजनीति और मीडिया का अंतःसंबंध : मूल्य, व्यक्ति विशेष और सत्ता समीकरण के रूप में
- प्रमुख राजनीतिक दर्शन और मीडिया : संक्षिप्त परिचय (स्वाधीनता, सर्वोदय, स्वदेशी, अंत्योदय, लोकतंत्र)
- लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया पर प्रमुख राजनीतिक दार्शनिकों के विचार

2. स्वतंत्रता-पूर्व राजनीतिक दर्शन और मीडिया

10 घंटे

- स्वाधीनता, स्वराज्य का विचार तथा हिंदी पत्रकारिता में उसके स्वरूप का अध्ययन (1857 का स्वाधीनता संघर्ष, बंग-भंग आंदोलन, खिलाफत आंदोलन तथा पूर्ण स्वराज्य)
- पुनर्जागरण का दर्शन और हिंदी पत्र-पत्रिकाएं (बालाबोधिनी, हिंदी प्रदीप तथा सरस्वती के विशेष संदर्भ में)
- साहित्य, पत्रकारिता तथा फिल्मों में स्वतंत्रता-पूर्व भारत बोध का स्वरूप

3. स्वातंत्र्योत्तर राजनीतिक घटनाक्रम और मीडिया

10 घंटे

- राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य में मीडिया की भूमिका, क्रांति चेतना और मीडिया
- स्वातंत्र्योत्तर भारत के प्रमुख घटनाक्रम और हिंदी मीडिया : साम्राज्यवाद और सर्वसत्तावाद (विशेष संदर्भ- 1962 का भारत-चीन युद्ध तथा आपातकाल)
- मीडिया पर नव-उदारवादी व्यवस्था का प्रभाव

4. प्रमुख राजनीतिक दार्शनिक

15 घंटे

- राममोहन राय, भारतेन्दु हरिश्चंद्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी
- बाल गंगाधर तिलक, गणेश शंकर विद्यार्थी, महात्मा गांधी
- भीमराव अंबेडकर, दीनदयाल उपाध्याय, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

प्रायोगिक कार्य :

30 घंटे

- प्रमुख राजनीतिक दार्शनिकों द्वारा मीडिया पर किए गए विचारों का संकलन और लेखन
- ऊपर वर्णित राजनीतिक दर्शनों के संदर्भ में तत्कालीन पत्र-पत्रिकाओं में छपी सामग्री पर रिपोर्ट लेखन
- प्रमुख राजनीतिक दार्शनिकों का मीडियाकर्मों के रूप में दिए गए योगदान पर परियोजना-कार्य
- भारत-बोध में मीडिया के योगदान पर समूह-चर्चा, निबंध लेखन
- प्रमुख राजनीतिक-दार्शनिकों, क्रांतिकारियों द्वारा संपादित पत्र-पत्रिकाओं की तथा उनसे जुड़े स्थानों, स्मारकों और उन पर केंद्रित फिल्मों की सूची का निर्माण

सहायक पुस्तकें :

1. समाज और राजनीति का दार्शनिक अध्ययन, डॉ. ज्ञानंजय द्विवेदी, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
2. हिंदी पत्रकारिता का बृहद इतिहास, डॉ. अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी पत्रकारिता का इतिहास, जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
4. अंतर्वेद प्रवर गणेश शंकर विद्यार्थी, अमित राजपूत, लोकोदय प्रकाशन
5. राजा राममोहन राय, विजित कुमार दत्त, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
6. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएं, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण , रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. पं. दीनदयाल उपाध्याय : कर्तृत्व एवं विचार, डॉ. महेशचंद्र शर्मा, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
9. राष्ट्र निर्माताओं की पत्रकारिता, कृपाशंकर चौबे, प्रलेक प्रकाशन, मुंबई
10. पत्रकार डॉ. भीमराव अंबेडकर, सूर्यनारायण रणसुभे, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
11. मूकनायक डॉ. अंबेडकर, संकलन एवं अनुवाद- श्यौराज सिंह बेचैन, गौतम बुक सेंटर
12. लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, रचना भोला 'यामिनी', प्रभात प्रकाशन

GE (ख) मीडिया प्रोडक्शन (4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE (ख) मीडिया प्रोडक्शन	4	3	0	1	12 th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- छात्रों को रेडियो, टेलीविजन, प्रिंट के प्रोडक्शन की जानकारी देना।
- मीडिया हाउस की प्रोडक्शन प्रक्रिया से रूबरू कराना।
- रेडियो एवं टेलीविजन की प्रसारण प्रक्रिया की जानकारी देना।

Course Learning Outcomes

- छात्रों में मीडिया के विविध कार्यक्रम तैयार करने का कौशल विकसित होगा।
- रेडियो एवं टेलीविजन प्रसारण प्रक्रिया को जान पायेंगे।
- मीडिया प्रोडक्शन में तकनीकी महत्व की जानकारी प्राप्त होगी।

1. प्रिंट प्रोडक्शन

10 घंटे

- फ़ॉण्ट, कंप्यूटर टाइपिंग
- एडिटिंग सॉफ्टवेयर : कोरल ड्रा, कंप्यूटर डिजाइनिंग, क्वॉर्क, केनवा, पेज मेकर, इनडिजाइन
- फोटोग्राफी के सिद्धांत, फोटो चयन, कैप्शन लेखन, फोटोशॉप

2. रेडियो प्रोडक्शन

10 घंटे

- रेडियो स्टूडियो की संरचना, उपकरण एवं प्रमुख रेडियो सॉफ्टवेयर
- रिकॉर्डिंग और संपादन, एनालॉग ध्वनि, डिजिटल ध्वनि, डबिंग, वॉयस मॉड्यूलेशन
- रेडियो कार्यक्रम निर्माण एवं रेडियो प्रसारण

3. टेलीविजन एवं वीडियो प्रोडक्शन

10 घंटे

- टीवी स्टूडियो संरचना, टीवी प्रसारण तकनीक, दृश्य-श्रव्य सॉफ्टवेयर
- वीडियो प्रोडक्शन प्रक्रिया : प्री प्रोडक्शन, प्रोडक्शन, पोस्ट प्रोडक्शन

- कैमरा और प्रकाश व्यवस्था, विभिन्न शॉट्स और उनका कंपोजिशन, प्रकाशीय उपकरण

4. फिल्म और वेब प्रोडक्शन

15 घंटे

- फिल्म निर्माण प्रक्रिया, निर्देशन, सिनेमेटोग्राफी, ध्वनि, संगीत, संपादन, कंप्यूटर एवं फिल्म प्रोडक्शन
- वेब प्रोडक्शन, वेब पोर्टल की संरचना, वेब पेज निर्माण
- ओ.टी.टी. प्लेटफॉर्म और वेब सीरीज

प्रायोगिक कार्य :

30 घंटे

- समाचार पत्र पृष्ठ निर्माण करना।
- रेडियो बुलेटिन और पॉडकास्ट तैयार करना।
- वेब पेज निर्माण करना।
- प्रेस रिलीज, समाचार निर्माण, पॉडकास्ट और फोटोग्राफी अभ्यास हेतु कॉलेज कार्यक्रमों की कवरेज करना।

सहायक पुस्तकें :

1. ग्राफिक डिजाइन, नरेंद्र यादव, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी
2. ब्रॉडकास्टिंग एंड द पीपुल, मेहरा मसानी, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
3. रेडियो लेखन, मधुकर गंगाधर, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी
4. रेडियो वार्ता शिल्प, डॉ. सिद्धनाथ कुमार, राधा कृष्ण प्रकाशन
5. वीडियो प्रोडक्शन टेक्नीक, डॉनल्ड एल.डीफेन्बच एण्ड एनी ई.स्लेटन, रूटलेज, ए फोकल प्रेस बुक
6. वेब सीरीज लेखन (हिंदी संस्करण) दिनकर कुमार, किंडल बुक



REGISTRAR

SEMESTER - 4

बी.ए.ऑनर्सहिन्दीपत्रकारिताएवंजनसंचार

Category I

(B.A. Honours in Hindi Journalism & Mass Communication)

DSC 10 न्यूमीडिया(4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title& Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 10 न्यू मीडिया	4	3	0	1	12 th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. न्यूमीडियाकीअवधारणाएवंउसकेविभिन्नरूपोंकीजानकारीदेना।
2. इंटरनेटकेविविधप्रयोगोंसेपरिचितकराना।
3. सोशलमीडिया, डिजिटलीकरणकीप्रक्रियाकीजानकारीदेनाऔरभारतीयपरिप्रेक्ष्यमेंडिजिटलमीडिया कीजवाबदेहीकीआवश्यकतासे परिचित कराना।

Learning Outcomes

1. छात्र सोशलमीडियाकेविविधस्वरूपोंऔरउनकेप्रयोगकीजानकारीप्राप्तकरेंगे।
2. न्यूमीडिया लेखन के विविध रूपों में दक्षता प्राप्त करेंगे।
3. व्यवसायिकक्षेत्रमेंउपयोगीप्रशिक्षणमिलेगा।

1.न्यूमीडियाकीविकासयात्रा:

10घंटे

- न्यूमीडिया-अवधारणा और स्वरूप
- इंटरनेटकीविकासयात्रा, इंटरनेटकेविविधप्रयोग
- न्यूमीडियाऔरपारंपरिकमीडियामेंअंतर, सामाजिकपरिवर्तनकेउपकरणकेरूपमेंन्यूमीडियाकीभूमिका

2. न्यूमीडियाकेविविधरूप

10घंटे

- नईसंचारतकनीक औरडिजिटलमीडियाकास्वरूप
- सोशलनेटवर्किंगसाइट्स,फेसबुक,टिविटर,यू-ट्यूब,इंस्टाग्राम
- ओटीटीप्लेटफॉर्म,वेबपोर्टल्स,ऑनलाइनगेमिंग,म्यूजिकस्ट्रीमिंग

3. न्यूमीडियाऔरलेखन :

10घंटे

- न्यूमीडियामेंलेखन –कंटेन्टउत्पादन,वेबसाइटलेखन,पॉडकास्टलेखनडिजिटलविज्ञापन-लेखन,न्यूज़पोर्टल्सलेखन,सोशलमीडियामैनेजमेंट
- न्यूमीडियाऔरभाषाशैली
- ऑनलाइनपत्रकारिता-ऑनलाइनपत्र-पत्रिकाएँ,ऑनलाइनन्यूज़वेबपोर्टल्स,मोबाइलपत्रकारिता,साइबरजर्नलिस्ट

4. न्यूमीडिया प्रभावक्षेत्रऔरआचारसंहिता:15घंटे

- न्यूमीडियाकासामाजिकराजनीतिकआर्थिकप्रभाव
- सोशल मीडिया मैनेजमेंट
- न्यूमीडिया-स्वनियमनऔरआचारसंहिता

प्रायोगिककार्य

30घंटे

- किसीऑनलाइनसमाचारपत्र-पत्रिकाकेलिएलेखयाफीचरलिखना।
- इन्टरनेटकेविविधप्रयोगोंकोदर्शातेहुएपीपीटीनिर्माणकरना।
- न्यूज़पोर्टलकेलिएसमाचारलेखन
- वेबसाइट्सकेलिएकंटेंटलेखन

संदर्भपुस्तकें :

1. भारतमेंइलेक्ट्रॉनिकएवंन्यूमीडिया-डॉराकेशरयालसमयसाक्ष्यप्रकाशन
2. न्यूमीडियाऔरबदलताभारत-प्रांजलधर,कृष्णकांत,भारतीयज्ञानपीठदिल्ली
3. इन्टरनेटजर्नलिज़्म साहिलप्रकाशन- विजयकुलश्रेष्ठ -,जयपुर
4. सोशलमीडियासेसाइबरअपराध-शिवराज,एमएचजैदी-आलियालॉएजेंसी,लखनऊ
5. सोशलमीडियाऔरसामाजिकसरोकार-कल्याणप्रसादवर्मा - साहिलप्रकाशन,जयपुर
6. ऑनलाइनमीडिया-सुरेशकुमार-पियरसनप्रकाशन,भारत

DSC 11 टेलीविजन (4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 11 टेलीविजन पत्रकारिता	4	3		1	12 th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. टेलीविज़न सम्बन्धी तकनीक की जानकारी देना।
2. टेलीविज़न कार्यक्रमों की स्क्रिप्ट लेखन का कौशल विकसित करना।
3. टेलीविज़न समाचारों के संकलन और स्रोतों की जानकारी प्रदान करना।

Course Learning Outcomes

1. विद्यार्थी टेलीविज़न तकनीक की जानकारी प्राप्त करेंगे।
2. टेलीविज़न कार्यक्रम निर्माण संबंधी दक्षता प्राप्त करेंगे।
3. स्क्रिप्ट लेखन में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।
4. मीडिया संस्थानों में रोज़गार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे।

1. जनसंचार माध्यम के रूप में टेलीविजन 10 घंटे

- भारत में टेलीविजन की विकास यात्रा (दूरदर्शन)
- निजी टेलीविजन चैनलों का प्रारंभ एवं विकास
- टेलीविजन माध्यम : विभिन्न प्रवृत्तियाँ (ट्रेंड्स) एवं सामाजिक प्रभाव

2. टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण एवं तकनीक 10 घंटे

- टेलीविजन कार्यक्रम के विभिन्न प्रकार – समाचार कार्यक्रम, समाचार आधारित कार्यक्रम,

साक्षात्कार, वृत्तचित्र/डॉक्यूमेंट्री, लघु फ़िल्म तथा टेलीफ़िल्म, धारावाहिक, टॉक/डिबेट शो, रियलिटी शो

- टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण के विभिन्न चरण – प्री-प्रोडक्शन, प्रोडक्शन, पोस्ट प्रोडक्शन
- टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण – तकनीकी पक्ष, कैमरा संचालन, शॉट्स, एंगल, मूवमेंट्स, विभिन्न सॉफ्टवेयर

3. टेलीविजन समाचार : संकलन एवं लेखन

10घंटे

- टेलीविजन समाचार संकलन के विभिन्न चरण – समाचार स्रोत, फ़िल्ड रिपोर्टिंग, लाइव रिपोर्टिंग
- टेलीविजन समाचार लेखन : एंकर रीड, पैकेज, वॉइस-ओवर, पीस टू कैमरा, वॉक-थ्रू, टिकर, स्क़ॉल, ब्रेकिंगन्यूज़
- टेलीविजन रिपोर्टिंग के आधारभूत सिद्धांत : अपराध, राजनीतिक, संसदीय मामले, खेल, एवं आर्थिक रिपोर्टिंग आदि

4. टेलीविजन समाचार चैनल – संगठन एवं कार्यपद्धति

15घंटे

- समाचार चैनल का संगठन एवं संरचना : संपादकीय, विज्ञापन, प्रशासन, न्यूज़रूम, तकनीकी, इंजीनियर, सुरक्षा
- टेलीविजन स्टूडियो संरचना : स्टूडियो फ़्लोर, एंकर, न्यूज़रूम, प्रोडक्शन कंट्रोल रूम, सेंट्रल कंट्रोलरूम, ओबी वेन, लाइट, कैमरा कंट्रोल यूनिट, साउंड, मेकअप रूम, आदि
- समाचार न्यूज़रूम की संरचना : इनपुट, आउटपुट, असाइनमेंट डेस्क : कार्य एवं ज़िम्मेदारी, गेस्ट कॉर्डिनेशन

प्रायोगिक कार्य :30घंटे

- किन्हीं दो राष्ट्रीय समाचार चैनलों के समाचारों का तुलनात्मक अध्ययन ,तथ्यों (भाषा एवं प्रस्तुतिकरण की दृष्टि से)
- किसी सांस्कृतिक विषय पर टेलीविज़न धारावाहिक के लिए मिनिट का दृश्य निर्माण 5
- टेलीविज़न के लिए मिनिट का समाचार बुलेटिन तैयार करना 5
- टेलीविज़न स्टूडियो का भ्रमण एवं कार्य रिपोर्ट की प्रस्तुति

सहायक पुस्तकें :

1. टेलीविज़न प्रोडक्शन – प्रो० देवव्रत सिंह, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (भोपाल)

2. स्मार्ट रिपोर्टर – शैलेश कुमार अल्फा मीडिया ग्रुप, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय
3. पत्रकारिता (जो मैंने देखा, जाना-समझा) संजय कुमार सिंह, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
4. भारत में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और न्यू मीडिया – संदीप कुलश्रेष्ठ, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
5. पत्रकारिता के विविध रूप – डॉ० रामचंद्र तिवारी, आलेख प्रकाशन
6. मीडिया की भाषा लीला – रविकांत, लोकचेतना प्रकाशन
7. समाचार संपादन – कमल दीक्षित और महेश दर्पण, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (भोपाल)
8. भारतीय टेलीविज़न का इतिहास – डॉ० परमवीर सिंह- एड्यूक्रिएशन पब्लिशिंग

DSC 12 विकास पत्रकारिता (4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 12 विकास पत्रकारिता	4	3		1	12 th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objective

1. समावेशी विकास से अवगत कराना
2. छात्रों को विकास के मुद्दों से परिचित कराना।
3. विकास और मीडिया के अंतर्संबंधों की समझ प्रदान करना
4. ग्रामीण और क्षेत्रीय पत्रकारिता में रोजगार के अवसरों की जानकारी देना।

Course Learning Outcomes

1. छात्र समावेशी विकास से अवगत होंगे।
2. छात्रों में विकास और आपदा सम्बंधित समाचार लेखन का कौशल विकसित होगा।
3. विकास और मीडिया के अंतर्संबंधों की समझ विकसित होगी।
4. छात्रों को ग्रामीण और क्षेत्रीय पत्रकारिता में रोजगार के अवसर मिलेंगे।

1. विकास पत्रकारिता एक परिचय 10 घंटे

- विकास की अवधारणा: अर्थ, स्वरूप और महत्व
- विकास के सिद्धांत और मॉडल
- मैकब्राइट कमीशन और मीडिया की भूमिका

2. ग्रामीण विकास और क्षेत्रीय पत्रकारिता 10 घंटे

- भारत का ग्रामीण परिदृश्य और क्षेत्रीय पत्रकारिता
- ग्रामीण विकास, सरकारी योजनाएं और स्वयं सेवी संगठनों की भूमिका

- पंचायती राज व्यवस्था व ग्रामीण मुद्दों की रिपोर्टिंग और चुनौतियां

3. स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यावरण क्षेत्र की पत्रकारिता 10 घंटे

- स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र की पत्रकारिता और चुनौतियां
- पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधन, आपदा प्रबंधन और मीडिया
- असंगठित क्षेत्र की पत्रकारिता, समस्याएँ और चुनौतियाँ

4. ग्रामीण प्रेस की आवश्यकता और चुनौतियां 15 घंटे

- ग्रामीण और स्थानीय समाचार पत्र - पत्रिकाओं की स्थिति और समस्याएं
- सामुदायिक रेडियो, ग्रामीण मुद्दे (वंचित समुदाय, गरीबी कुपोषण, आदि)
- मुख्यधारा की मीडिया में क्षेत्रीय विकास संबंधी कवरेज

प्रायोगिक कार्य 30 घंटे

- विकास संबंधित मुद्दों पर रिपोर्ट लेखन।
- किसी एक समाचार पत्र में प्रकाशित एक सप्ताह की ग्रामीण विकास संबंधी कवरेज का अध्ययन एवं उसकी रिपोर्टिंग।
- विकास संबंधित सरकारी नीतियों का अध्ययन करना एवं समीक्षात्मक लेख तैयार करना।
- पर्यावरण पर फील्ड विजिट और साक्षात्का करना।
- मुख्यधारा की मीडिया एवं क्षेत्रीय मीडिया में वंचित समुदाय के मुद्दों पर समूह चर्चा
- ग्रामीण एवं विकास के मुद्दों से जुड़ी समस्याओं पर डाक्यूमेंट्री अथवा पीपीटी तैयार करना।

सहायक पुस्तकें :

1. भारतीय अर्थव्यवस्था, ईश्वरदींगरा, सुल्तान एंड संस
2. मास कम्युनिकेशन इन जर्नल ऑफ नेशनल डेवलपमेंट, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
3. मास मीडियानेशनल डेवलपमेंट, विल्बरश्रेम, स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रकाशन
4. ग्रामीण विकास की चुनौतियां, राजेंद्र आगाल, अक्स प्रकाशन, भोपाल
5. पत्रकारिता एवं विकास संचार, अनिल कुमार उपाध्याय, भारती प्रकाशन, वाराणसी पत्रकारिता एवं विकास संचार, प्रो अनिल कुमार उपाध्याय, भारती प्रकाशन, वाराणसी
6. कृषि एवं ग्रामीण विकास पत्रकारिता, डॉ अर्जुन तिवारी, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
7. ग्रामीण पत्रकारिता चुनौतियां और संभावनाएं, सुशील भारती, वाणी प्रकाशन
8. आपदा प्रबंधन, शिव गोपाल मिश्र, प्रभात प्रकाशन

DEPARTMENT OF HINDI
SEMESTER - 5
बी.ए. ऑनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार

Category I

बी.ए. ऑनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार **for Undergraduate Honours**
(B.A. Honours in Hindi Journalism & Mass Communication)

DSC 13 जनमाध्यम के सिद्धांत

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre- requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
जनमाध्यम के सिद्धांत	4	3		1	12 th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- छात्रों में जनमाध्यमों की समझ विकसित करना
- छात्र को भारतीय संचार की अवधारणा से परिचित कराना
- छात्रों को जनमाध्यम और समाज के बीच संबंध से अवगत कराना।
- छात्रों को जनमाध्यम संदेशों पर व्यक्तिगत प्रतिक्रिया की पहचान कराना
- जनसंचार के विविध प्रारूप और सिद्धांतों से परिचित कराना।

Learning Outcomes

- जनमाध्यमों की समझ विकसित होगी।
- संचार की भारतीय अवधारणा से परिचित होंगे।
- जन माध्यमों के समाज पर प्रभाव का आकलन कर सकेंगे।
- जनमाध्यमों के सिद्धांतों से परिचित होंगे।
- जनमाध्यम के संदेशों से व्यक्तिगत प्रभाव का आकलन कर सकेंगे।

1. जनमाध्यम : परिचय

10 घंटे

- जनमाध्यम: स्वरूप एवं प्रकार
- जन माध्यम: कार्यशैली एवं उद्देश्य
- जनमाध्यमों की जनमत निर्माण में भूमिका : एग्जिट पोल, ओपिनियन पोल

2. संचार के मॉडल

10 घंटे

- संचार प्रारूप (मॉडल) के प्रकार : लीनियर, नॉन लीनियर एवं मिश्रित
- प्रमुख संचार प्रारूप: अरस्तु, शैनन एवं वीवर, ऑसगुड, लासवेल एवं विल्बर श्रैम
- आधुनिक संचार प्रारूप: न्यूकॉम्ब, गर्बनर, वेस्तले एवं मैकलीन, व्हाइट गेटकीपिंग

3. जनसंचार के सिद्धांत

10 घंटे

- जनसंचार के समाजशास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक सिद्धांत
- जनसंचार का नियामक सिद्धांत (प्रभुत्ववादी, उदारवादी, सामाजिक उत्तरदायित्व, साम्यवादी सिद्धांत, लोकतांत्रिक सहभागिता का सिद्धांत, मीडिया विकास का सिद्धांत)
- अन्य सिद्धांत: बुलेट सिद्धांत, गेटकीपिंग का सिद्धांत, क्लटीवेशनल सिद्धांत, जनसमाज सिद्धांत

4. माध्यम-प्रभाव अध्ययन

15 घंटे

- जनमाध्यमों की प्रस्तुति की समीक्षा
- फीड बैक, फीड फ़ारवर्ड
- उपभोक्तावादी संस्कृति से मीडिया में आये बदलावों की समीक्षा

प्रायोगिक कार्य

30 घंटे

- किसी एक चयनित संचार सिद्धांत की प्रासंगिकता का सर्वे और आपसी बातचीत के आधार पर पीपीटी तैयार करना
- किसी समसामयिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय समाचार की मीडिया प्रस्तुति की केस स्टडी तैयार करना
- किसी समसामयिक सामाजिक/ आर्थिक/ राजनीतिक/ तकनीकी मुद्दे पर भाषण तैयार कर उसकी प्रस्तुति करना
- किन्हीं दो प्रिंट अथवा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की समाचार प्रस्तुति का तुलनात्मक अध्ययन एवं प्रस्तुति
- जनमत निर्माण हेतु प्रश्नावली निर्माण और उसके आधार पर सर्वेक्षण की रिपोर्ट तैयार करना।

संदर्भ पुस्तकें :

1. भारत में जनसंचार, केवल जे कुमार, जैको पब्लिशिंग हाउस मुंबई
2. संचार के सिद्धांत, आशा हिंगड, मधु जैन, सुशीला पारीक, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
3. संप्रेषण: प्रतिरूप एवं सिद्धांत, डॉ श्रीकांत सिंह, भारती पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, फैजाबाद
4. संचार के मूल सिद्धांत, ओमप्रकाश सिंह, लोक भारती प्रकाशन
5. मास कम्युनिकेशन थ्योरी, डेनिस मैक्वेल, सेज पब्लिकेशन नई दिल्ली
6. कम्युनिकेशन मीडिया यस्टरडे टुडे एंड टुमारो, पीएन मल्हन, प्रकाशन विभाग नई दिल्ली
7. कम्युनिकेशन, सीएस रेडु, हिमालय पब्लिशिंग हाउस मुंबई
8. द प्रोसेस एंड इफेक्ट ऑफ़ मास कम्युनिकेशन, श्रैम, डब्लू एंड रोबर्ट्स डीएफ

DSC 14 हाशिए का समाज और हिंदी मीडिया

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 14 हाशिए का समाज और हिंदी मीडिया	4	3		1	12 th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. हाशिए के समाज की अवधारणा से परिचित करवाना।
2. हाशिए के समाज की समस्याओं से अवगत करवाना।
3. हिंदी मीडिया में हाशिए के समाज की भूमिका बताना।
4. सामाजिक बदलाव के लिए छात्रों को तैयार करना।

Course Learning Outcomes

1. छात्र हाशिये के समाज के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।
2. छात्र समाज का महत्व समझेंगे।
3. छात्र समाज परिवर्तन के लिए तैयार होंगे।

1. भारतीय सामाजिक व्यवस्था और हाशिए का समाज

10 घंटे

- हाशिए का समाज – अर्थ और अवधारणा
- भारतीय सामाजिक व्यवस्था और समस्याएं
- सामाजिक विकास में हाशिए के समाज का योगदान

2. दलित- आदिवासी समाज और मीडिया

10 घंटे

- दलित और आदिवासी वर्ग की समस्याएं
- मीडिया की मुख्यधारा दलित और आदिवासी समाज
- मीडिया की खबरें और समतामूलक समाज – निर्माण का उद्देश्य एवं सामाजिक समरसता

3. जेंडर समानता और अस्मिता विमर्श

10 घंटे

- स्त्री विमर्श की भारतीय अवधारणा
- मीडिया के जेंडर समानता के सवाल
- थर्ड जेंडर का मुद्दा और हिंदी मीडिया

4. अस्मिता विमर्श और माध्यम व्यवहार

15 घंटे

- लोक संस्कृति के पहलू और हाशिए का समाज
- जन माध्यमों का बाजार और हाशिए का जीवन
- सामाजिक न्याय और मीडिया

प्रायोगिक कार्य

30 घंटे

- महाविद्यालय में हाशिए के समाज सम्बन्धी कार्यक्रम की रिपोर्टिंग करवाना।
- किसी एक अखबार की हाशिए के समाज सम्बन्धी खबरों का विश्लेषण।
- किसी एक चैनल की हाशिए के समाज सम्बन्धी खबरों का विश्लेषण।
- हाशिए के समाज के प्रमुख व्यक्तित्व से भेंटवार्ता और साक्षात्कार।

सहायक पुस्तकें :

1. मीडिया के सामाजिक सरोकार कालूराम परिहार, अनामिका पब्लिशर्स एन्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा०लिमिटेड, नईदिल्ली
2. भारतीय समाज (अनुवाद: वंदना मिश्र) श्यामा चरण दुबे, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
3. समकालीन मीडिया- परिदृश्य और अस्मिता मूलक विमर्श डा०मधु लोमेश, हेमाद्रि प्रकाशन, नईदिल्ली
4. आधुनिकता के आइने में दलित समाज, अभय कुमार दुबे, वाणी प्रकाशन प्रा०लि०, दिल्ली
5. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श जगदीश्वर चतुर्वेदी, अनामिका पब्लिशर्स एन्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली

DSC 15 विज्ञापन

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 15 विज्ञापन	4	3	0	1	12 th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objective

- छात्रों को मीडिया में विज्ञापन के महत्व से अवगत कराना।
- छात्रों को विज्ञापन निर्माण का व्यावहारिक अभ्यास कराना।
- छात्रों को विज्ञापन के भारतीय समाज पर पड़ने वाले प्रभाव की जानकारी देना।

Course Learning Outcomes

- छात्र मीडिया के अर्थतंत्र को जान पायेंगे।
- विज्ञापन के कॉपी निर्माण का व्यावहारिक ज्ञान होगा।
- विज्ञापन में भाषा की रचनात्मकता का महत्व सीख सकेंगे।
- विज्ञापन की आचार संहिता को जान पायेंगे।

1. विज्ञापन : अर्थ एवं सिद्धांत

10 घंटे

- विज्ञापन : अर्थ, प्रकार एवं उद्देश्य
- विज्ञापन के सिद्धांत : AIDA व DAGMAR
- ब्रांड की अवधारणा

2. माध्यमगत विज्ञापन

10 घंटे

- प्रिंट एवं ई/डिजिटल विज्ञापन की विशेषता
- रेडियो विज्ञापन
- वीडियो/टेलीविजन विज्ञापन की विशेषता

3. विज्ञापन निर्माण एवं भाषा

10 घंटे

- विज्ञापन कॉपी निर्माण एवं तत्व
- विज्ञापन में रचनात्मकता एवं भाषाई प्रयोग
- विज्ञापन अभियान एवं चरण

4. विज्ञापन एवं समाज

15 घंटे

- विज्ञापन का समाज एवं संस्कृति पर प्रभाव
- विज्ञापन परिषद की आचार संहिता
- विज्ञापन एजेंसी की संगठन संरचना

प्रायोगिक कार्य :

30 घंटे

- किसी एक विषय पर विज्ञापन की कॉपी तैयार करना।
- रेडियो जिंगल तैयार करना।
- सामाजिक जागरूकता हेतु वीडियो विज्ञापन तैयार करना।
- समाज पर विज्ञापन के प्रभाव का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।

सहायक पुस्तकें :

1. हिन्दी विज्ञापनों का पहला दौर, आशुतोष पार्थेश्वर, अद्वैत प्रकाशन
2. विज्ञापन व्यवसाय एवं कला, डॉ रामचंद्र तिवारी, अलेख प्रकाशन, नई दिल्ली
3. विज्ञापन तकनीक एवं संपादन, डॉ नरेंद्र यादव, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
4. विज्ञापन की दुनिया, प्रो कुमुद शर्मा, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER - 6

बी.ए. ऑनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार

Category I

बी.ए. ऑनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार **for Undergraduate Honours**

(B.A. Honours in Hindi Journalism & Mass Communication)

DSC 16 जनसम्पर्क

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre- requisite of the course (if any)
		Lectu re	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 16 जनसम्पर्क	4	3		1	12 th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. जनसंपर्क की अवधारणा से परिचित कराना।
2. विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क के उपयोग से अवगत कराना।
3. जनसंपर्क की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालना।
4. जनसंपर्क में कौशल विकसित करना।

Learning Outcomes

1. जनसंपर्क की अवधारणा से परिचित होंगे।
2. विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क कर लाभान्वित होंगे।
3. जनसंपर्क की कार्यप्रणाली का ज्ञान अर्जित करेंगे।
4. जनसंपर्क के क्षेत्र में दक्ष बनेंगे।

1. जनसंपर्क: अवधारणा और विकास

10 घंटे

- जनसंपर्क का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
- जनसंपर्क के विकास का भारतीय परिदृश्य, जनसंपर्क के विकास का वैश्विक परिदृश्य
- जनसंपर्क के सिद्धान्त और साधन

2 जनसंपर्क विभाग: संरचना और कार्य प्रक्रिया

10 घंटे

- जनसंपर्क विभाग की संरचना और कार्य
- जनसंपर्क के क्षेत्र : सरकारी व निजी क्षेत्र का जनसंपर्क
- जनसंपर्क : आंतरिक एवं बाह्य

3 जनसंपर्क अभियान एवं जनमत निर्माण

10 घंटे

- जनसंपर्क अभियान
- जनमत निर्माण में जनसंपर्क अधिकारी की भूमिका
- जनसंपर्क अधिकारी के गुण एवं दायित्व

4 जनसंपर्क के विविध आयाम

15 घंटे

- आपदा प्रबंधन और जनसंपर्क
- जनसंपर्क, विज्ञापन, प्रचार और प्रोपेगेंडा
- जनसंपर्क उद्योग और जनमाध्यम

प्रायोगिक कार्य

30 घंटे

- किसी एक सरकारी जनसंपर्क विभाग के संगठन और कार्य योजना पर रिपोर्ट लिखना।
- किसी जनसंपर्क अधिकारी का साक्षात्कार लेना।
- आपदा प्रबंधन में जनसंपर्क की भूमिका पर रिपोर्ट तैयार करना।
- किसी एक सामाजिक या स्वास्थ्य विषयक जनसंपर्क अभियान की रूपरेखा तैयार करना।

संदर्भ पुस्तकें :

1. जनसंपर्क प्रबंधन, डॉ कुमुद शर्मा, प्रभात प्रकाशन
2. जनसंपर्क सिद्धांत और व्यवहार, डॉ सुशील त्रिवेदी, शशि कांत शर्मा, मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
3. जनसंपर्क अवधारणा एवं बदलता स्वरूप, कृ शि मेहता, किताब घर प्रकाशन
4. जनसंपर्क के विविध आयाम, पवित्र श्रीवस्तव सी के सक्सेना, राजकमल प्रकाशन
5. जनसंपर्क, विज्ञापन एवं प्रसार माध्यम, एन सी पंत, तक्षशिला प्रकाशन

DSC 17 डिजिटल संचार के नए आयाम

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 17 डिजिटल संचार के नए आयाम	4	3	0	1	12 th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. विद्यार्थियों को डिजिटल संचार के नए रूपों से परिचित कराना।
2. डिजिटल संचार लेखन में विद्यार्थियों को सक्षम बनाना ।
3. डिजिटल संचार लेखन के व्यावहारिक, नैतिक और वैधानिक आयामों से अवगत कराना।

Course Learning Outcomes

1. विद्यार्थी विभिन्न नए डिजिटल प्लेटफार्म की लेखन पद्धति सीखेंगे।
2. विद्यार्थियों को डिजिटल संचार के नए रूपों से परिचित होने और सीखने का अवसर प्राप्त होगा ।
3. डिजिटल संचार लेखन के विविध कानूनी और नैतिक आयामों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

1. डिजिटल संचार

10 घंटे

- डिजिटल संचार: स्वरूप और विकास
- डिजिटल संचार के प्रकार, विशेषताएं और सीमाएं
- डिजिटल संचार के उपकरण: इन्टरनेट, सोशल नेटवर्किंग साइट्स, वेबसाइट, न्यूज पोर्टल, ऐप्स, ओटीटी प्लेटफार्म, इन्टरनेट रेडियो, एचडीटीवी, ई मेल आदि।

2. डिजिटल संचार के नए आयाम

10 घंटे

- वेब ट्रेफिक, गूगल ट्रेंड्स, FB पोस्ट, ट्वीट, ऑडियो बुक, वेब सीरिज
- लाइव चैट, चैट बॉट, चैट जीपीटी, वीडियो चैट, वेब कॉलिंग, लाइव स्ट्रीमिंग, सर्च इंजन मार्केटिंग
- डिजिटल विज्ञापन, शॉर्ट्स वीडियो, रील, मीम्स, ऑडियो वीडियो किस्सागोई, एसएमएस, इमोजी, स्टीकर

3. डिजिटल संचार, मार्केटिंग और जनसम्पर्क

10 घंटे

- डिजिटल जनसम्पर्क के उपकरण, डिजिटल जनसम्पर्क में मार्केटिंग और ब्रांड प्रचार
- मिक्स मार्केटिंग में डिजिटल संचार का उपयोग और ब्रांड निर्माण में डिजिटल संचार का उपयोग, मार्केटिंग लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए डिजिटल मार्केटिंग और जनसम्पर्क के संबंध
- डिजिटल मार्केटिंग के लिए ऑनलाइन स्पॉन्सरशिप और ब्रांड प्रचार, डिजिटल संचार का उपयोग करने वाले ब्रांड्स की केस स्टडी

4. डिजिटल संचार की संस्कृति और सूचना युग

15 घंटे

- मीडिया सामग्री बनाम डिजिटल मीडिया सामग्री और वर्तमान विचारधारा
- डिजिटल सामग्री और बौद्धिक संपदा, डिजिटल सामग्री के कार्यान्वयन का उपयोग, महत्व और क्षेत्र
- सोशल मीडिया पर डिजिटल सामग्री प्रबंधन का महत्व

प्रायोगिक कार्य:

30 घंटे

- सोशल नेटवर्किंग साइट्स के लिए कंटेंट निर्माण करना।
- किसी सामाजिक मुद्दे पर ऑडियो निर्माण करना।
- किसी कॉलेज इवेंट के लिए शॉर्ट वीडियो का निर्माण करना।
- डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए विज्ञापन का निर्माण करना।
- ब्लॉग बनाकर उसमें फीचर और लेख लिखना।
- डिजिटल मार्केटिंग के लिए डिजिटल जनसंपर्क उपकरण का निर्माण करना।

सहायक पुस्तकें :

1. हर्षदेव, ऑनलाइन पत्रकारिता, समसामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली
2. Tapas ray, online Journalism, Cambridge University press, 2011
3. Jim Foust , Online Journalism -Principal and practice for the web, Routledge publisher
4. R G Rosales , The Elements of online Journalism, i Universe, UK
5. Stephen Quinn and Vincent Falk , Convergent Journalism-An Introduction, focal Press
6. Itule & Andersson (2002), News writing and reporting for today's media, McGraw Hill publication
7. Davidson Amber -Controversies in digital ethics, Bloomsbury pub.

DSC 18 मीडिया शोध

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 18 मीडिया शोध	4	3	0	1	12 th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objective

4. छात्रों को शोध के महत्व से अवगत कराना।
5. शोध की सामाजिक उपयोगिता की जानकारी देना।
6. मीडिया में शोध सर्वे एवं विषयवस्तु विश्लेषण का महत्व बताना।

Course Learning Outcomes

5. छात्र वैज्ञानिक अध्ययन का महत्व जान पायेंगे।
6. शोध के विविध चरणों की जानकारी से छात्रों की विश्लेषण क्षमता बढ़ेगी।
7. शोधकर्ता के उत्तरदायित्व को जान पायेंगे।
8. साहित्य चोरी एवं संदर्भ लेखन के महत्व का ज्ञान होगा।

1. शोध : अर्थ एवं सिद्धांत

10 घंटे

- शोध : अर्थ, उपयोगिता एवं उद्देश्य
- शोध के विभिन्न प्रकार एवं चरण
- शोध की नैतिकता, शोधकर्ता के उत्तरदायित्व

2. शोध-प्रक्रिया

10 घंटे

- शोध — समस्या का चयन, विषय निर्धारण, चर (वेरिएबल) प्रकार

- साहित्य अवलोकन, उद्देश्य एवं शोध परिकल्पना : अर्थ, प्रकार
- सैपलिंग : अर्थ, प्रकार एवं आवश्यकता

3. शोध प्रविधि

10 घंटे

- शोध में आँकड़ें : प्राथमिक एवं द्वितीयक
- शोध विधि : सर्वे - अनुसूची एवं प्रश्नावली, विषयवस्तु विश्लेषण, प्रयोगात्मक, केस स्टडी आदि
- प्रश्नावली के प्रकार एवं निर्माण

4. शोध परिणाम एवं साहित्य चोरी

15 घंटे

- आँकड़ों का एकत्रीकरण, व्यवस्थिकरण एवं विश्लेषण
- शोध परिणाम : सामान्यकरण, समस्या, संभावनाएँ एवं उपयोगिता
- संदर्भ सूची: आवश्यकता एवं स्टाइल, साहित्य चोरी

प्रायोगिक कार्य :

30 घंटे

- विभिन्न विषयों पर शोध प्रश्नावली तैयार करना एवं आँकड़ें एकत्रित करना।
- सामाजिक महत्व के किसी विषय पर छात्रों में सर्वे करना।
- सर्वेक्षण से प्राप्त आँकड़ों का व्यवस्थिकरण एवं विश्लेषण करना।
- समाचार पत्रों की विषयवस्तु का विश्लेषण करना।
- ओपिनियन पोल जानने हेतु चुनावी सर्वे करना।

सहायक पुस्तकें :

5. शोध पद्धति, सी आर कोठारी, न्यू ऐज प्रकाशन, नई दिल्ली
6. अनुसंधान : प्रक्रिया और प्रविधि, साहित्य सरोवर प्रकाशन, नई दिल्ली
7. रिसर्च मैथडोलॉजी, लक्ष्मी नारायण कोहली, वायी के प्रकाशन, नई दिल्ली
8. रिसर्च मैथडोलॉजी : ए स्टेप बाय स्टेप गाइड फॉर बिग्नर्स, रणजीत कुमार, सेज पब्लिकेशन

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC समाचार समितियाँ	4	3		1	12th Pass	NIL

Learning Objective

- समाचार समिति की अवधारणा से परिचित कराना।
- समाचार समिति की कार्यशैली से अवगत करना।
- समाचार जगत में इसकी आवश्यकता व महत्व से परिचित कराना।
- समाचार समिति पत्रकारिता के विकास से परिचित कराना

Course Learning Outcomes

- समाचार समिति की अवधारणा से परिचित होंगे।
- समाचार समिति की कार्यशैली से अवगत होंगे।
- समाचार जगत में समाज समिति के महत्व से परिचित होंगे।
- रोजगार के अवसरों की जानकारी प्राप्त होगी।

इकाई-1. समाचार समिति: अवधारणा और विकास

10 घंटे

- समाचार समिति: परिभाषा, उद्देश्य और महत्व
- समाचार समिति: उद्भव और विकास
- हिंदी की प्रमुख समाचार समितियाँ

इकाई-2. समाचार समिति: स्वरूप और संरचना

10 घंटे

- समाचार समिति का स्वरूप: एकल समिति और बहुल समिति
- समाचार समिति की संरचना और प्रबंधन
- समाचार समिति के कार्य और चुनौतियाँ

इकाई-3. समाचार समिति की कार्यप्रणाली

10 घंटे

- समाचार समिति का कार्य क्षेत्र
- समाचार माध्यम और समाचार समिति का संबंध
- समाचार समितियों की विभिन्न सेवाएं

इकाई-4. समाचार समिति: समाचार संकलन और लेखन शैली

15 घंटे

- समाचार समिति रिपोर्टिंग की तकनीक और सिद्धांत



- वीडि रिपोर्टिंग और लेखन शैली
- समाचार समिति रिपोर्टर की विशेषताएं और दायित्व

प्रायोगिक कार्य:

30 घंटे

- समाचार पत्र, पत्रिकाओं, रेडियो, टीवी चैनल की सामग्री का अध्ययन करने के उपरांत विभिन्न मुद्दों जैसे कंटेंट, कवरेज, नैतिक दृष्टिकोण के आधार पर रिपोर्ट तैयार करना।
- किसी एक समाचार समिति पर केस स्टडी तैयार करना।
- समाचार समिति पत्रकारिता पर प्रस्तुति (प्रेजेंटेशन) तैयार करना।
- सामाजिक, सांस्कृतिक एवं मानवीय अभिरुचि के विषयों पर रिपोर्ट, फीचर और लेख तैयार करना।

सहायक पुस्तकें:

- हिंदी पत्रकारिता, डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी पत्रकारिता की विकास यात्रा, आशा गुप्ता, कनिष्क पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स नई दिल्ली
- हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम, डॉ. वेद प्रताप वैदिक, हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली
- हिंदी पत्रकारिता का आलोचनात्मक इतिहास: डॉ. रमेश कुमार जैन
- समाचार समिति की पत्रकारिता, काशीनाथ गोविंदराव जोगलेकर, संपादक रामचरण जोशी, राधा कृष्ण प्रकाशन संस्करण 2003

- मीडिया: प्रॉब्लम्स एंड प्रॉस्पेक्ट्स नेशनल मीडिया सेंटर नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित
- न्यूज़पेपर मैनेजमेंट इन इंडिया, गुलाब कोठारी, इंटरक्लचरल ओपन यूनिवर्सिटी नीदरलैंड द्वारा प्रकाशित, 1995



बी.ए.आनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचारCategory I

(B.A. Honours in Hindi Journalism & Mass Communication)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC संपादकीय लेखन	4	3		1	12 th Pass	NIL

Learning Objective

- संपादकीय का महत्व बताना
- संपादकीय लेखन से परिचित कराना
- संपादकीय लेखन में दक्ष बनाना

Course Learning Outcomes

- विद्यार्थी संपादकीय का महत्व समझ सकेंगे
- संपादकीय तकनीक से परिचित होंगे
- संपादकीय लेखन में दक्ष बनकर रोजगार के अवसर प्राप्त करने में सक्षम होंगे

इकाई-1, संपादकीय का परिचय**10 घंटे**

- संपादन : अर्थ, उद्देश्य और महत्व
- संपादन और पुनर्लेखन
- संपादन के सिद्धांत

इकाई-2, समाचार संपादन**10 घंटे**

- कॉपी संपादन, ऑनलाइन संपादन
- ग्राफिक्स, कार्टून, फोटो चयन और संपादन
- लेआउट, डिजाइन और पेज मेकअप



इकाई-3, संपादकीय तकनीक

10 घंटे

- संपादकीय पृष्ठ की संरचना और संपादकीय विभाग
- संपादकीय नीति और स्टाइल पुस्तिका
- संपादकीय चिन्ह और प्रूफ संशोधन

इकाई-4, संपादकीय एवं विशेष लेखन

15 घंटे

- संपादकीय लेखन और उसकी विशेषताएं
- अग्रलेख, फीचर, नियमित स्तंभ, साक्षात्कार
- टिप्पणी, विश्लेषण, समीक्षा, संपादक के नाम पत्र

प्रायोगिक कार्य:

30 घंटे

- संपादकीय पृष्ठ का डमी निर्माण
- किन्हीं दो समाचार पत्र के संपादकीय पृष्ठ की तुलना
- किन्हीं दो समकालीन महत्वपूर्ण विषयों पर संपादकीय लेखन करना

सन्दर्भ पुस्तकें:

- संपादन कला- के.पी. नारायण, हिन्दी ग्रंथ अकादमी, मध्यप्रदेश
- प्रोफेशनल जर्नलिज्म - एम.वी. कामथ - विकास पब्लिशिंग हाउस
- समाचार फीचर लेखन एवं संपादन कला- डॉ. हरिमोहन- तक्षशिला प्रकाशन
- टेक्सबुक ऑफ़ एडिटिंग एंड रिपोर्टिंग - एम.के. जोसेफ - विज़डम प्रेस
- न्यूज़ एडिटिंग एंड रिपोर्टिंग- मधु सेठवराज - डोमिनेन्ट पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर
- द एडिटोरियल आई - टी. हैरिंगटन- बेडफोर्ड सेंट मार्टिन, बोस्टन

